आश्विन कृष्ण - 10 ■ संवत 2080 ■ वर्ष - 19 ■ अंक - 77 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » सोमवार » 09-10-2023 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 अब भारत को ओलंपिक की मेजबानी का दावा करना चाहिये : आईओए प्रमुख

6 पूर्वजों को श्रद्धांजलि देना ही श्राद्ध है

7 अच्छी कहानी पर आधारित फिल्म में काम करना चाहती हैं काजोल

फर्स्ट टेक

ओडिशा ने कई आईएएस अधिकारियों का तबादला किया

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा सरकार ने भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के कई अधिकारियों का तबादला किया है। शनिवार को जारी एक सरकारी अधिसूचना के अनुसार, बिष्णुपद सेठी को सामाजिक सुरक्षा और दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के प्रधान सचिव पद पर नियुक्त किया गया है। आदेश के मुताबिक, भास्कर ज्योति शर्मा को कटक के भूमि अभिलेख और निपटान आयुक्त के रूप में नियुक्त किया गया है। सरकार ने बी परमेश्वरन को आयुक्त (चकबंदी) नियुक्त किया है, जबकि पशुपालन और पशु चिकित्सा सेवा के निदेशक रामाशीष हाजरा का माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (बीएसई), ओडिशा के अध्यक्ष का अतिरिक्त प्रभार बरकरार रखा गया है।

मिस्र में पुलिसकर्मी ने दो इजराइली नागरिकों समेत तीन को गोली मारी

काहिरा/एपी। मिस्र के अलेक्जेंड्रिया शहर में रविवार को एक पुलिसकर्मी ने एक पर्यटक स्थल पर इजराइली पर्यटकों को निशाना बनाकर गोलीबारी की, जिससे इजराइल के दो और मिस्र के एक नागरिक की मौत हो गई। मिस्र और इजराइल के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मिस्र के गृह मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि यह घटना शहर के 'पोम्पी पिलर' पर्यटन स्थल पर हुई। इसने कहा कि घटना में एक व्यक्ति घायल भी हुआ है। हालांकि, मंत्रालय ने घटना के संबंध में अधिक विवरण साझा नहीं किया। इजराइल के विदेश मंत्रालय ने घायल की पहचान इजराइली नागरिक के रूप में की है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि इजरायली अधिकारी इजरायलियों को स्वदेश लाने के लिए मिस्र सरकार के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

इजराइल और गाजा में रह रहे भारतीय सुरक्षित

यरूशलम/भाषा। इजराइल पर हमास के हमले के बाद भारतीय नागरिकों से जुड़ी कोई अप्रिय घटना नहीं हुई है और देश में फंसे लोगों ने अपनी सुरक्षित निकासी के लिए तेल अवीव में स्थित भारतीय दूतावास से अनुरोध किया है। सूत्रों ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि लगभग 18 हजार भारतीय नागरिक इजराइल में रहते और काम करते हैं तथा अब तक उनसे जुड़ी किसी अप्रिय घटना की जानकारी नहीं मिली है। देश में फंसे भारतीय पर्यटकों ने भारतीय दूतावास से उन्हें बाहर निकालने का अनुरोध किया है। अधिकतर पर्यटक समूहों में यात्रा कर रहे हैं। इजराइल का दौरा करने वाले कुछ व्यवसायी भी हैं जो तनाव में हैं और वहां से निकलने की कोशिश कर रहे हैं। तेल अवीव में भारतीय मिशन और फलस्तीन में भारत के प्रतिनिधि कार्यालय ने शनिवार को परामर्श जारी कर भारतीय नागरिकों से सतर्क रहने और आपात स्थिति में सीधे कार्यालय से संपर्क करने की अपील की थी।

09-10-2023 सूर्यास्त 6:04 बजे | 10-10-2023 सूर्योदय 6:09 बजे

BSE 65,995.63 (+364.06) | NSE 19,653.50 (+107.75)

सोना 5,992 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम | चांदी 71,800 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

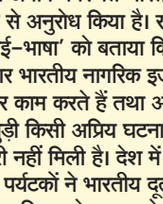

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

नोटा में वोटा

है संविधान में प्रावधान,
सारे ही इसके अधिकारी।
कोई दल ना आए पसंद,
नोटा पर मत देवें भारी।
जनमत का यह सच्चा विरोध,
हम सभी रखें तब तक जारी।
जब तक ना सुधरे दल सारे,
ना बने व्यवस्था इकसारी।।

केंद्रीय शिक्षा सलाहकार बोर्ड का पुनर्गठन किया जा रहा है : प्रधान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा है कि केंद्रीय शिक्षा सलाहकार बोर्ड (सीएबीई) का पुनर्गठन किया जा रहा है क्योंकि इसका पुराना संस्करण वास्तव में काफी व्यापक है।

सीएबीई शिक्षा के क्षेत्र में नीतिगत निर्णयों पर सरकार को सलाह देने वाली एक उच्चाधिकार प्राप्त समिति है।

प्रधान ने 'पीटीआई-भाषा' से एक साक्षात्कार में कहा कि ऐसे समय में जब नई शिक्षा नीति को लागू करके एक महत्वपूर्ण बदलाव किया जा रहा है, सीएबीई के पुनर्गठन की जरूरत है क्योंकि आज की शिक्षा प्रणाली की मांगें अलग हैं।

बोर्ड के सदस्यों में केंद्रीय शिक्षा मंत्री, शिक्षा राज्य मंत्री, विभिन्न राज्यों के शिक्षा मंत्री, केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) और राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) जैसे निकायों के प्रमुख शामिल हैं।

सीएबीई की आखिरी बैठक सितंबर, 2019 में हुई थी और प्रधान ने सलाहकार बोर्ड की किसी भी बैठक की अध्यक्षता नहीं की है। तीन साल से बोर्ड की बैठक नहीं होने का कारण पूछे जाने पर प्रधान ने कहा, ''सीएबीई का पुनर्गठन किया जा रहा है।''

प्रधान ने कहा, ''इसका पुराना संस्करण बहुत व्यापक है। आज की शिक्षा व्यवस्था की मांगें अलग हैं। हम पहली बार बालवाटिका की अवधारणा पेश कर रहे हैं, लेकिन सीएबीई में कोई बाल विशेषज्ञ नहीं है, अनुसंधान और विकास में एक महत्वपूर्ण बदलाव आया है, उद्योग से जुड़ने की बात की जा रही है... इन सभी को ध्यान में रखते हुए, सीएबीई को फिर से तैयार करने की जरूरत है।''

वायुसेना प्रमुख वीआर चौधरी ने कहा

'तेजी से बदलते सामरिक माहौल को देखते हुए क्षमताओं को बढ़ाने की जरूरत'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रयागराज/भाषा। भारतीय वायुसेना के प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने रविवार को कहा कि आज के जटिल और तेजी से बदलते सामरिक माहौल को देखते हुए वायु सेना को अपनी रणनीति को परिष्कृत करने, सर्वांगीण क्षमताओं को बढ़ाने और भविष्य में संभावित युद्ध लड़ने के लिए एक लचीली मानसिकता विकसित करने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि मौजूदा भू-राजनीतिक परिदृश्य ने हमें देशज क्षमता विकसित कर आयात पर निर्भरता घटाने का एक अवसर प्रदान किया है। प्रयागराज के बम्हरौली में मध्य वायु कमान के मुख्यालय परिसर में भारतीय वायुसेना के 91वें वर्षगांठ समारोह में वायुसेना की परेड के दौरान रक्षा प्रमुख (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान, एयर मार्शल आरजीके कपूर और वरिष्ठ अधिकारियों को संबोधित करते हुए चौधरी ने कहा, हमने न केवल चुनौतियों का सामना किया है, बल्कि इन चुनौतियों को अवसर में तब्दील किया है। उन्होंने कहा, हमने महिला अग्निवीरों सहित अग्निवीरों के प्रथम बैच और बाद के बैच को सफलतापूर्वक वायुसेना में शामिल किया है, जो वर्तमान में बुनियादी प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं, जिसमें खुद सीखने पर अधिक जोर है।

चौधरी ने कहा, अकेले इसी वर्ष भारतीय वायुसेना ने दुनियाभर में मित्र देशों के साथ आठ अभ्यास किए हैं। पहली बार, देश में ही निर्मित हल्के लड़ाकू विमानों (एलसीए) ने एक विदेशी अभ्यास में हिस्सा लिया है। देश के भीतर हम जंगलों में आग बुझाने और कई राज्यों में बाढ़ राहत कार्यों में सक्रियता के साथ शामिल रहे हैं।

भुगतान गेटवे की कंपनी के खाते को हैक करके निकाले 16,180 करोड़ रुपये, प्राथमिकी दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। ठाणे/भाषा। महाराष्ट्र के ठाणे में लोगों के एक समूह ने भुगतान गेटवे सेवा मुहैया कराने वाली एक कंपनी के खाते को कथित रूप से हैक कर अलग-अलग बैंक खातों से 16,180 करोड़ रुपये निकाल लिए। ठाणे पुलिस ने यह जानकारी दी। नौपाडा थाने के एक अधिकारी ने बताया कि यह धोखाधड़ी लंबे अरसे से चल रही थी लेकिन मामला तब सामने आया जब महाराष्ट्र के ठाणे शहर में शीनगर थाने में एक शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस के मुताबिक, शिकायत में अप्रैल 2023 में यहां कंपनी के भुगतान गेटवे खाते को हैक कर उसमें से 25 करोड़ रुपये निकालने का आरोप लगाया गया था। अधिकारी ने प्राथमिकी का हवाला देते हुए बताया कि जब पुलिस ने मामले की जांच की तो 16,180 करोड़ रुपये का बड़ा घोटाला सामने आया।

ठाणे अपराध शाखा के एक अधिकारी की शिकायत के बाद नौपाडा थाने में शुक्रवार को संजय सिंह, अमोल अंदाले, अमन,केदान, समीर दिघे, जितेन्द्र पांडेय और अज्ञात लोगों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 420 (धोखाधड़ी), 409 (विश्वास का आपराधिक उल्लंघन), 467, 468 (जालसाजी), 120 बी (आपराधिक साजिश), 34 (समान इरादा) और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है।

कर्नाटक 2032 तक एक खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बन सकता है : फिक्की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/वार्ता। कर्नाटक में 2032 तक एक खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लिए प्रदर्शन को बढ़ाने की क्षमता है। यह दावा भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) और कर्नाटक सरकार की ओर से तैयार कार्य-उन्मुख रिपोर्ट में किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इसके लिए राज्य की आर्थिक विकास दर को 13 प्रतिशत से बढ़ाकर 17 प्रतिशत प्रति वर्ष करने की आवश्यकता होगी और इसमें उच्च तथा निम्न प्रदर्शन वाले क्षेत्रों में क्रॉस-सेक्टोरल विकास पहल को चलाने के लिए लक्षित हस्तक्षेप शामिल हो सकते हैं।

यह रिपोर्ट 11 अक्टूबर को यहां प्रौद्योगिकी पर आयोजित होने वाले सोल कॉन्क्लेव से पहले संवाददाता सम्मेलन में पत्रकारों को वितरित की गई।

रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के शीर्ष पांच राज्यों में से एक के रूप में कर्नाटक ने पिछले कुछ वर्षों में मजबूत विकास का प्रदर्शन किया है और 2022-23 की अवधि में इसका प्रति व्यक्ति सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) 3.16 लाख रुपये और जीएसडीपी 22,81,127 करोड़ रुपये था।

अफगानिस्तान में भूकंप से मरने वालों की संख्या दो हजार के पार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हेरात/वार्ता। पश्चिमी अफगानिस्तान में शनिवार को आये शक्तिशाली भूकंप से मरने वालों की संख्या दो हजार से अधिक हो गयी है और मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है।

तालिबान सरकार ने रविवार को एक बयान में यह जानकारी दी।

अफगानिस्तान में कल आए भूकंप की तीव्रता 6.3 थी, जिसने हेरात शहर के समीप कम से कम 12 गांवों को तबाह कर दिया। भूकंप के बाद कई शक्तिशाली झटके भी लगे।

राहत और बचाव दल पूरी रात मलबे में फंसे जीवित लोगों को खोजने में लगे रहे और यह काम लगातार जारी है। इस प्राकृतिक आपदा में हजारों लोग घायल हुए हैं। अपर्याप्त चिकित्सा सुविधा वाले देश में, अस्पतालों को घायलों के इलाज में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। संयुक्त राष्ट्र और अन्य संगठनों ने आपातकालीन आपूर्ति तेज कर दी है।

भूकंप हेरात से लगभग 40 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में स्थानीय समयानुसार शनिवार सुबह लगभग 11 बजे (06:30 जीएमटी) आया।

अगर राम जन्मभूमि वापस ली जा सकती है, तो कोई कारण नहीं कि 'सिंधु' वापस न ले पाएं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि अगर पांच सौ वर्षों के बाद राम जन्मभूमि वापस ली जा सकती है, तो ''कोई कारण नहीं कि हम 'सिंधु' (सिंध प्रांत) वापस न ले पाएं''।

रविवार को यहां जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार यहां एक होटल में सिंधी काउंसिल ऑफ इंडिया (यूथ विंग) द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सिंधी अधिवेशन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, '500 वर्षों के बाद अयोध्या में भगवान राम के भव्य मंदिर का निर्माण हो रहा है। जनवरी में प्रधानमंत्री द्वारा रामलला अपने मंदिर में फिर से विराजमान किये जाएंगे।' उन्होंने उम्मीद जताते हुए कहा, 'अगर राम जन्मभूमि के लिए कुछ किया जा सकता है। पांच सौ वर्षों के बाद राम जन्मभूमि वापस ली जा सकती है, तो कोई कारण नहीं कि हम सिंधु (सिंध प्रांत, जो अब पाकिस्तान में है) वापस न ले पाएं।'

योगी ने जब यह उद्गार व्यक्त किया, तो पूरा सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा और काफी देर तक तालियां बजती रहीं और नारे लगते रहे।

आजादी मिलने के बाद बंटवारे की टीस बयां करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 1947 जैसी त्रासदी (भारत-पाकिस्तान बंटवारा) फिर नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सिर्फ एक व्यक्ति की जिद की वजह से देश को विभाजन की त्रासदी से गुजरना पड़ा। उन्होंने कहा, ''देश के बंटवारे की वजह से लाखों लोगों का कत्लेआम हुआ। भारत का एक बड़ा भू-भाग पाकिस्तान के रूप में चला गया।'

मुख्यमंत्री ने कहा कि 'सिंधी समाज ने उस दर्द को सबसे ज्यादा सहा है, उन्हें अपने मातृभूमि को छोड़ना पड़ा।' उन्होंने कहा, 'आज भी आतंकवाद के रूप में हमें विभाजन की त्रासदी के दंश को झेलना पड़ता है। कोई भी सभ्य समाज आतंकवाद, उग्रवाद या किसी भी प्रकार की अराजकता को कभी मान्यता नहीं दे सकता। अगर मानवता के कल्याण के मार्ग पर हमें आगे बढ़ना है, तो समाज की दुष्प्रवृत्तियों को समाप्त करना होगा। हमारे धर्मग्रंथ भी हमें यही प्रेरणा देते हैं।'

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूज्य झूलेलाल जी (सिंधी समाज के आराध्य) हों या भगवान श्रीकृष्ण, सबने मानव कल्याण के लिए सज्जन के संरक्षण और दुर्जन को समाप्त करने की बात कही है। योगी ने कहा, '' देश है तो धर्म है, धर्म है तो समाज है और समाज है, तो हम सभी का अस्तित्व है। हमारी प्राथमिकता इसी अनुरूप होनी चाहिए। '' उन्होंने कहा कि 'देश का सौभाग्य है कि आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आतंकवाद भारत के अंदर अपने अंतिम सांसें गिन रहा है।

इजराइल-हमास की लड़ाई दूसरे दिन भी रही जारी

हमास हमले में मरने वाले इजरायलियों की संख्या 600 हुई, 313 फिलीस्तीनी भी मरे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तेल अवीव/एपी। इजराइल पर हमास के अप्रत्याशित हमले के एक दिन बाद रविवार को इजराइली सैनिकों और हमास लड़ाकों के बीच दक्षिणी इजराइल में संघर्ष जारी रहा जबकि इजराइल ने जवाबी हमले कर गाजा में कई इमारतों को जमींदोज कर दिया। वहीं, उत्तरी इजराइल में लेबनान के चरमपंथी समूह हिजबुल्ला के साथ संघर्ष से युद्ध के व्यापक पैमाने पर फैलने की आशंका बढ़ गयी है।

गाजा से अप्रत्याशित हमले के 24 घंटे से अधिक समय बाद भी संघर्ष जारी है। हमास के आतंकवादियों ने शनिवार तड़के इजराइल पर हजारों रॉकेट दागे और आतंकवादी इजराइल के सुरक्षा घेरे को तोड़कर सीमा के आसपास के इलाकों में घुस गए।

इजराइल के कई मीडिया संस्थानों ने खबरें दी हैं कि हमास के हमले में इजराइल में मृतकों की संख्या 600 तक पहुंच गई है। वहीं, गाजा में भी 300 से अधिक लोगों की मौत हो गई।

आतंकवादियों ने तटीय गाजा क्षेत्र में महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को बंधक बना लिया। आशंका जताई गई है कि आतंकवादी बंधक बनाए गए लोगों की रिहाई के बदले में हजारों फलस्तीनी कैदियों को छोड़ने की मांग कर सकते हैं।

अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने समाचार चैनल 'सीएनएन' को बताया कि अमेरिका उन खबरों को सत्यापित करने के लिए काम कर रहा है, जिसमें कई अमेरिकी नागरिकों के मारे जाने या लापता होने का दावा किया गया है।

कर्नाटक सरकार इजराइल में कन्नडिगाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एमईए के संपर्क में है : सिद्दरामैया

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने रविवार को कहा कि उनकी सरकार इजराइल में कन्नड़ लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विदेश मंत्रालय (एमईए) के साथ मिलकर काम कर रही है। उन्होंने इजराइल में उन कन्नड़ लोगों से भी अपील की, जिन्हें राज्य आपात संचालन केंद्र से संपर्क करने के लिए सहायता की आवश्यकता है। सिद्दरामैया ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''इजराइल में मौजूदा स्थिति को देखते हुए, हम अपने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में विदेश मंत्रालय के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि इजराइल की मौजूदा स्थिति बहुत चिंताजनक है। उन्होंने कहा, ''हम मानवता की भलाई के लिए हर जगह शांति और सद्भाव की वकालत करते हैं।''

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 12 अक्टूबर तक इटली, फ्रांस की यात्रा करेंगे

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह द्विपक्षीय सामरिक भागीदारी बढ़ाने तथा सैन्य उपकरणों के संयुक्त विकास के मद्देनजर औद्योगिक सहयोग तलाशने के लिए सोमवार से इटली और फ्रांस की चार दिवसीय यात्रा शुरू करेंगे। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि दो देशों की यात्रा के पहले चरण में सिंह रोम जाएंगे, जहां वह इटली के रक्षा मंत्री गुइदो क्रिसेतो से व्यापक चर्चा करेंगे। मार्च में इतालवी प्रधानमंत्री की भारत यात्रा के दौरान भारत और इटली के बीच सामरिक साझेदारी मजबूत हुई थी। मंत्रालय ने कहा, ''रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह नौ से 12 अक्टूबर तक इटली और फ्रांस की यात्रा करेंगे।'' पेरिस में सिंह फ्रांस के रक्षा मंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नु के साथ पांचवें वार्षिक भारत-फ्रांस रक्षा संवाद में भाग लेंगे।

दुनियाभर में लोग अपनी समस्याओं के समाधान के लिए भारत की ओर देख रहे हैं: शुक्ला

गांधीनगर/भाषा। हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला ने रविवार को कहा कि दुनियाभर में लोग अपनी समस्याओं के समाधान के लिए भारत की ओर देख रहे हैं क्योंकि विदेश में भारत के प्रति धारणा उसके मजबूत नेतृत्व तथा 'अमृतकाल' में विकसित राष्ट्र बनने के उसके लक्ष्य के कारण बदल गयी है। 'अमृत काल' वह शब्दावली है जिसे नरेन्द्र मोदी सरकार 2047 तक की अवधि के लिए अक्सर प्रयुक्त करती है और यह इस अवधि में भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए बड़े पैमाने पर प्रयास करने की जरूरत है। शुक्ला ने कहा, '' आज दुनिया के लोग अपनी समस्याओं का समाधान भारत में ढूढ़ रहे हैं। इसका मतलब है कि देश के मजबूत नेतृत्व के कारण (भारत के प्रति) दुनिया की धारणा में परिवर्तन आया है।'' वह 'इंडिया थिंक काउंसिल' के साथ मिलकर 'इंटरप्रिन्योरशिप डेवलपमेंट ऑफ इंडिया' द्वारा 'अमृतकाल का भारत' विषय पर आयोजित एक व्याख्यान को संबोधित कर रहे थे। अपने संबोधन में शुक्ला ने राजनीति के लिए जाति का मुद्दा उठाने के वास्ते 'राममनोहर लोहिया के अनुयायियों' पर निशाना भी साधा। उनका इशारा बिहार में जाति आधारित गणना कराये जाने के बाद विभिन्न विपक्षी दलों द्वारा की जा रही इस तरह के सर्वेक्षण की मांग की ओर था।

एयर इंडिया ने तेल अवीव की उड़ानें 14 अक्टूबर तक रद्द कीं

नई दिल्ली/भाषा। इजराइल के तेल अवीव पर शनिवार को हमास आतंकवादियों के हमला करने के बाद एयर इंडिया ने वहां की सभी उड़ानें 14 अक्टूबर तक रद्द कर दी हैं। कंपनी के प्रवक्ता ने कहा कि यात्रियों और चालक दल के सदस्यों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए तेल अवीव जाने वाली और वहां से आने वाली सभी उड़ानें 14 अक्टूबर तक रद्द कर दी गई हैं। एयर इंडिया के प्रवक्ता के अनुसार, टिकट बुक कर चुके यात्रियों को उनकी जरूरत के अनुसार पूरा सहयोग दिया जाएगा। एयरलाइन तेल अवीव के लिए पांच साप्ताहिक उड़ानें संचालित करती है। ये उड़ानें- सोमवार, मंगलवार, बृहस्पतिवार, शनिवार और रविवार को होती हैं।

जीएसटी प्राधिकरण ने रिलायंस जनरल इंश्योरेंस को 922 करोड़ रु. के कारण बताओ नोटिस किए जारी

नई दिल्ली/भाषा। रिलायंस कैपिटल लिमिटेड की अनुषंगी कंपनी रिलायंस जनरल इंश्योरेंस कंपनी (आरजीआईसी) को जीएसटी खुफिया महानिदेशालय ने 922.58 करोड़ रुपये की राशि के लिए कई कारण बताओ नोटिस भेजे हैं। सूत्रों के अनुसार कंपनी को माल एवं सेवा कर खुफिया महानिदेशालय (डीजीजीआई) से चार नोटिस मिले हैं, जिसमें पुन:बीमा और सह-बीमा जैसी सेवाओं से उत्पन्न राजस्व पर क्रमश: 478.84 करोड़ रुपये, 359.70 करोड़ रुपये, 78.66 करोड़ रुपये और 5.38 करोड़ रुपये के जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर) की मांग की गई है। एक कर विशेषज्ञ के मुताबिक आरजीआईसी के लेखा परीक्षकों को 30 सितंबर को समाप्त तिमाही परिणामों में आकस्मिक देनदारी के रूप में इस राशि की जानकारी देनी होगी।

'कक्षा 10 और 12 की बोर्ड परीक्षाओं में साल में दो बार शामिल होना अनिवार्य नहीं होगा'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा है कि 10वीं और 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाओं में साल में दो बार शामिल होना अनिवार्य नहीं होगा और एक बार अवसर मिलने के डर से होने वाले तनाव को घटाने के लिए यह विकल्प पेश किया जा रहा है।

प्रधान ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए एक विशेष साक्षात्कार में कहा कि 'डमी स्कूलों' के मुद्दे को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है और इस पर गंभीर चर्चा करने का समय आ गया है। उन्होंने कहा, ''विद्यार्थियों के पास इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जेईई की तरह ही साल में दो बार (10वीं और 12वीं कक्षाओं की बोर्ड) परीक्षा में शामिल होने का विकल्प होगा। वे अपना सर्वश्रेष्ठ स्कोर चुन सकते हैं... लेकिन यह पूरी तरह से वैकल्पिक होगा, कोई बाध्यता नहीं होगी।'' उन्होंने कहा, ''विद्यार्थी अक्सर यह सोचकर तनावग्रस्त हो जाते हैं कि उनका एक साल बर्बाद हो गया, उन्होंने मौका गंवा दिया या वे बेहतर प्रदर्शन कर सकते थे... एकल अवसर के डर से होने वाले तनाव को कम करने के लिए यह विकल्प पेश किया जा रहा है।'' मंत्री ने कहा कि यदि किसी विद्यार्थी को लगता है कि वह पूरी तरह से तैयार है और परीक्षा के पहले 'सेट' में प्राप्तांक (स्कोर) से संतुष्ट है, तो वह अगली परीक्षा में शामिल न होने का विकल्प चुन सकता है तथा कुछ भी अनिवार्य नहीं होगा। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा अगस्त में घोषित नई पाठ्यचर्या की रूपरेखा (एनसीएफ) के अनुसार, बोर्ड परीक्षाएं साल में दो बार आयोजित की जाएंगी, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि विद्यार्थियों के पास अच्छा प्रदर्शन करने के लिए पर्याप्त समय और अवसर हो तथा उन्हें सर्वश्रेष्ठ स्कोर हासिल करने का विकल्प मिले। उन्होंने कहा, ''नई पाठ्यचर्या रूपरेखा की घोषणा के बाद मैं कई विद्यार्थियों से मिला। उन्होंने इसकी सराहना की है और इस विचार से खुश हैं। हमारी कोशिश है कि 2024 से साल में दो बार परीक्षाएं आयोजित की जाए।'' इस साल राजस्थान के कोटा में रिकॉर्ड संख्या में विद्यार्थियों के आत्महत्या करने के बारे में पूछे जाने पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने कहा, ''यह बहुत ही संवेदनशील मुद्दा है। किसी की जान नहीं जानी चाहिए...वे हमारे बच्चे हैं। यह सुनिश्चित करना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है कि विद्यार्थी तनाव मुक्त रहें।''

सरकार 1,851 कृषि ग्रामीण विकास बैंकों, राज्य सहकारी रजिस्ट्रारों का कम्प्यूटरीकरण करेगी

नई दिल्ली/भाषा। सरकार राज्य सहकारी रजिस्ट्रार और कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंकों (एआरडीबी) के 1,851 कार्यालयों का 225.09 करोड़ रुपये से कम्प्यूटरीकरण करेगी। सरकार ने यह घोषणा की। सरकार देश में सभी प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पीएसीएस) को कम्प्यूटरीकृत कर रही है। सहकारिता मंत्रालय ने एक बयान में कहा, देश के सभी पीएसीएस की कम्प्यूटरीकरण योजना की तर्ज पर एक राष्ट्रीय एकीकृत सॉफ्टवेयर के माध्यम से 13 राज्यों के एआरडीबी की 1,851 इकाइयों के कम्प्यूटरीकरण के लिए एक योजना को मंजूरी दी गई है। इसमें कहा गया कि सरकार ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की सहकारी समितियों के रजिस्ट्रार के कार्यालयों को कम्प्यूटरीकृत करने का भी निर्णय लिया है। बयान के अनुसार, योजना के सफल कार्यान्वयन के लिए एक केंद्रीय परियोजना निगरानी इकाई की स्थापना की जाएगी। इस योजना पर कुल अनुमानित व्यय 225.09 करोड़ रुपये होगा। मंत्रालय ने कहा कि इस योजना के कार्यान्वयन से न केवल लोग राज्यों के सहकारी विभागों और एआरडीबी के कार्यालयों द्वारा दी जाने वाली सेवाओं का तेजी से लाभ ले सकेंगे।

भाजपा नेता शशिधर रेड्डी ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री के स्वास्थ्य को लेकर बुलेटिन की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता एम. शशिधर रेड्डी ने कहा है कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की स्वास्थ्य स्थिति के बारे में गोपनीयता बरती जा रही है और तेलंगाना के लोगों को उनके स्वास्थ्य के बारे में उचित जानकारी पाने का अधिकार है।

भाजपा नेता ने कहा कि जनता को सक्षम चिकित्सा अधिकारियों की ओर से मुख्यमंत्री के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी दी जानी चाहिए क्योंकि इससे किसी भी गलतफहमी को रोका जा सकेगा। तेलंगाना की राज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन को शनिवार को लिखे पत्र में रेड्डी ने कहा कि पिछले कुछ हफ्तों से चंद्रशेखर राव को सार्वजनिक रूप से नहीं देखा गया है। रेड्डी ने कहा कि उनके बेटे और मंत्री के टी रामा राव ने अचानक से बताया कि उनके पिता को फेफड़ों में 'सेकंडरी' (जीवाणु) संक्रमण है। उन्होंने कहा कि जब भी इतने उच्च पद पर आसीन व्यक्ति के बीमार होने का मामला होता है तो अस्पताल के अधिकारी और राज्य सरकार के स्वास्थ्य अधिकारी नियमित स्वास्थ्य बुलेटिन जारी करते हैं लेकिन इस बार ऐसा नहीं देखा गया है। रेड्डी ने राज्यपाल से मुख्य सचिव को आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश देने का अनुरोध किया।

रामा राव ने शुक्रवार को कहा था कि मुख्यमंत्री चंद्रशेखर राव को वायरल बुखार हुआ था और फिर उन्हें 'सेकंडरी' संक्रमण हो गया तथा वह कुछ दिन में ठीक हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री का बुखार कम हो गया है।

भारत में अप्रैल से अगस्त तक मोबाइल फोन निर्यात लगभग दोगुना होकर 5.5 अरब डॉलर रहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत से चालू वित्त वर्ष में अगस्त तक मोबाइल फोन निर्यात लगभग दोगुना होकर 5.5 अरब डॉलर (लगभग 45,700 करोड़ रुपये) हो गया। मोबाइल उद्योग निकाय आईसीईए ने यह जानकारी दी।

आईसीईए ने कहा कि भारत से मोबाइल फोन निर्यात अप्रैल-अगस्त 2023 में लगभग तीन अरब डॉलर (लगभग 24,850 करोड़ रुपये) था।

नाम उजागर न करने की शर्त पर एक सूत्र ने बताया कि प्रौद्योगिकी कंपनी एप्पल ने 23,000 करोड़ रुपये के आईफोन निर्यात किए, जो कुल निर्यात के आधे से कुछ ज्यादा हैं। हालांकि, इस संबंध में पूछने पर एप्पल से कोई जवाब नहीं मिला।

कुल मोबाइल फोन निर्यात पर इंडिया सेलुलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन (आईसीईए) के चेयरमैन पंकज मोहिंद्रू ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि भारत से मोबाइल फोन निर्यात में 80 प्रतिशत से अधिक की भारी वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा, भारत जीवीसी (वैश्विक मूल्य शंखला) के लिए पसंदीदा स्थान बनने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा है। इस पर काम प्रगति पर है और प्रतिक्रिया सकारात्मक है।

आईसीईए के अनुमान के अनुसार, वित्त वर्ष 2022-23 में भारत से फोन निर्यात दोगुना होकर 90,000 करोड़ रुपये से अधिक यानी लगभग 11.12 अरब डॉलर हो गया, जो वित्त वर्ष 2021-22 में 45,000 करोड़ रुपये था।

सरकार को उम्मीद है कि मोबाइल फोन कंपनियां इस साल एक लाख करोड़ रुपये के उपकरण निर्यात करेंगी।

सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 तक 300 अरब डॉलर का इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण हासिल करने का लक्ष्य रखा है, जिसमें 120 अरब डॉलर निर्यात से आने की उम्मीद है। वित्त वर्ष 2025-26 तक मोबाइल फोन निर्यात 50 अरब डॉलर से अधिक होने का अनुमान है।

इजराइल-फलस्तीन संघर्ष: फारूक अब्दुल्ला ने कहा- मुद्दे का हल करने में नाकाम रहा संयुक्त राष्ट्र

श्रीनगर/भाषा। नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने रविवार को कहा कि संयुक्त राष्ट्र फलस्तीन के मुद्दे को सुलझाने में विफल रहा है। चरमपंथी समूह हमास के इजराइल पर हमला करने के बाद अब्दुल्ला ने यह बात कही है। इस हमले के बाद इजराइल ने भी जवाबी हमला किया है, जिसके चलते दोनों ओर सैकड़ों लोगों की मौत हो चुकी है।

अब्दुल्ला ने पत्रकारों से कहा, युद्ध हर तरह से बुरा है क्योंकि इससे लोगों का नुकसान होता है। इतने सारे निर्दोष इजराइली मारे गए, इतने सारे निर्दोष फलस्तीनी मारे गए। युद्ध किसी भी समस्या का समाधान नहीं है। श्रीनगर से लोकसभा सदस्य अब्दुल्ला ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र दशकों पुराने फलस्तीन मुद्दे को सुलझाने में विफल रहा है। उन्होंने कहा, अफसोसजनक बात यह है कि संयुक्त राष्ट्र विफल हो गया है। फलस्तीन मुद्दा इतने लंबे समय से अटका हुआ है और वे इसका समाधान नहीं कर रहे हैं। निर्दोष लोग मारे जा रहे हैं। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने भी कहा कि उन्हें इजराइल और फलस्तीनियों के बीच शत्रुता समाप्त होने की उम्मीद है। इजराइल-फलस्तीन संघर्ष के प्रति दुनिया को जगाने के लिए हमेशा मौत और विनाश की जरूरत पड़ जाती है।

तंजानिया की राष्ट्रपति हसन भारत की चार दिवसीय यात्रा पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। तंजानिया की राष्ट्रपति सामिया सुलुहू हसन ने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के उद्देश्य से रविवार को भारत की चार दिवसीय यात्रा शुरू की। तंजानिया के किसी राष्ट्रपति की आठ साल बाद यह पहली भारत यात्रा है। हसन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से सोमवार को वार्ता करेंगी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''भारत-तंजानिया संबंधों को नई गति देते हुए तंजानिया की राष्ट्रपति सामिया सुलुहू हसन भारत की राजकीय यात्रा पर पहुंचीं। राष्ट्रपति का पदभार संभालने के बाद यह भारत की उनकी पहली यात्रा है।''

तंजानिया की राष्ट्रपति 10 अक्टूबर को दिल्ली में एक व्यापार और निवेश कार्यक्रम में भी शामिल होंगी।

हसन का राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में सोमवार सुबह औपचारिक स्वागत किया जाएगा और उसके बाद वह प्रधानमंत्री मोदी के साथ विस्तृत द्विपक्षीय वार्ता करेंगी।

आपदा प्रभावित परिवारों को मुफ्त राशन, गैस सिलेंडर सुनिश्चित करें : सुक्खू ने अधिकारियों से कहा

शिमला/भाषा। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने राज्य के नागरिक आपूर्ति निगम के अधिकारियों को आपदा प्रभावित परिवारों को मुफ्त राशन और रसोई गैस सिलेंडर सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।

यहां जारी बयान के अनुसार शनिवार शाम प्रदेश राज्य नागरिक आपूर्ति निगम लिमिटेड की 173 वीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए सुक्खू ने कहा कि 16 सितंबर को शुरू की गयी इस योजना के तहत पात्र लाभार्थियों को लाभ मिलना शुरू हो चुका है। प्रभावित परिवारों को मुफ्त राशन, रसोई गैस सिलेंडर और 'प्रेशर रेगुलेटर', 'सुरक्षा पाइप' जैसी चीजें दी जाती हैं। यह योजना 31 मार्च 2024 तक चलेगी। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के अधिकारियों को इस योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए निगरानी करने का निर्देश दिया ताकि आपदा प्रभावितों को इसका लाभ मिले। सुक्खू ने अधिकारियों को निगम को डिजटलीकृत, वाणिज्यिक और पेशेवर बनाने का निर्देश दिया।

आईआईएफसीएल ने विमानन अवसंरचना के लिए 8,800 करोड़ रुपये के ऋण को दी मंजूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। इंडिया इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस कंपनी लिमिटेड (आईआईएफसीएल) ने देश में हवाई अड्डों और नागरिक विमानन अवसंरचना के विकास के लिए 8,800 करोड़ रुपये के ऋण मंजूर किए हैं।

आईआईएफसीएल के प्रबंध निदेशक पी आर जयशंकर ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि सरकार का देश में नागरिक विमानन क्षेत्र को विकसित करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य है और इस सपने को साकार करने के लिए बड़े निवेश की जरूरत है। उन्होंने कहा, '' अभी तक आईआईएफसीएल ने हवाई अड्डा परियोजनाओं के विकास के लिए करीब 4,000 करोड़ रुपये के वितरण के साथ करीब 8,800 करोड़ रुपये के ऋण स्वीकृत किए हैं।''

उन्होंने बताया कि कंपनी भारत में हवाई अड्डों के प्रमुख निवेशकों में से एक है और उसने करीब 74,000 करोड़ रुपये के कुल परियोजना परिव्यय के साथ हवाई अड्डों का समर्थन किया है। जयशंकर ने कहा कि देश के करीब सभी प्रमुख हवाई अड्डों के विकास में आईआईएफसीएल का योगदान है। हवाई अड्डा क्षेत्र के महत्व को रेखांकित करते हुए जयशंकर ने कहा कि यह अर्थव्यवस्था और रोजगार सृजन में सकारात्मक प्रभाव डालने की क्षमता रखता है।

उन्होंने कहा कि भारत में हवाई यात्रा की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए उसके बुनियादी ढांचे की क्षमता बढ़ाना जरूरी हो गया है। नेशनल इंफ्रास्ट्रक्चर पाइपलाइन (एनआईपी) के अनुसार, वित्त वर्ष 2025 तक पांच वर्षों में नागरिक विमानन क्षेत्र के लिए करीब 91,000 करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय की परिकल्पना की गई है।

टोल में वृद्धि को लेकर शिंदे से मिलूंगा : ठाकरे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ठाणे/भाषा। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के प्रमुख राज ठाकरे ने रविवार को कहा कि वह टोल बढ़ोतरी के मुद्दे पर चर्चा के लिए मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से मुलाकात करेंगे। इस मामले को लेकर उनकी पार्टी के कार्यकर्ता प्रदर्शन कर रहे हैं।

टोल बढ़ोतरी के विरोध में पिछले चार दिनों से भूख हड़ताल पर बैठे पार्टी नेता अविनाश जाधव से मुलाकात के बाद ठाकरे ने ठाणे में पत्रकारों से बात की। एक अक्टूबर से टोल में इजाफा प्रभावी हुआ है। मनसे प्रमुख ने कहा कि वह अगले कुछ दिनों में मुख्यमंत्री से मिलेंगे और टोल वृद्धि और राज्य के लोगों से जुड़े अन्य मुद्दों पर चर्चा करेंगे। शिवसेना-भाजपा के पिछले गठबंधन ने अपने चुनाव घोषणापत्र में महाराष्ट्र को टोल मुक्त बनाने का वादा किया था, लेकिन वादा पूरा नहीं किया गया। ठाकरे ने दावा किया कि शिंदे ने अतीत में टोल के संबंध में अदालत में एक याचिका दायर की थी और बाद में इसे वापस ले लिया। मनसे प्रमुख ने सवाल किया कि किसके निर्देश पर उन्होंने याचिका वापस ली थी। सत्तारूढ़ दल को यह ध्यान में रखना चाहिए कि चुनाव नजदीक हैं और वह लोगों को नाराज नहीं कर सकते।

अगर भाजपा तीसरी बार सत्ता में आई तो देश खतरे में पड़ जाएगा : विजयन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कन्नूर(केरल)/भाषा। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने रविवार को चेतावनी दी कि अगर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) तीसरी बार सत्ता में आती है तो देश 'निश्चित तौर पर खतरे में'पड़ जाएगा और उसके बाद अफसोस करने का कोई तुक नहीं होगा। भाजपा शासित केंद्र सरकार के साथ-साथ राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) पर हमला करते हुए विजयन ने आरोप लगाया कि वे देश की विविधिता को नष्ट करने और राष्ट्र को धर्म के आधार पर निर्मित करने की कोशिश कर रहे हैं।

केरल के मुख्यमंत्री ने दावा किया कि देश में गाय, भोजन की पसंद और नागरिकों के एक समूह को देश के दुश्मन के तौर पर प्रस्तुत करने के आधार पर सांप्रदायिक झड़पें हो रही हैं। उन्होंने कहा कि धर्म, जाति और नस्ल से परे प्रत्येक व्यक्ति कानून के समान संरक्षण का अधिकारी है लेकिन इसे देश में बदला जा रहा है। उत्तरी केरल के जिले कन्नूर में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इन सब ने अल्पसंख्यक समुदायों में भय और आशंका पैदा की है। उन्होंने कहा, ''अगर भाजपा तीसरी बार सत्ता में आती है तो देश निश्चित तौर पर खतरे में पड़ जाएगा और तब अफसोस करने का कोई तुक नहीं होगा।'' विजयन ने कहा, '' देश को इस तथ्य का एहसास हो गया है और जनता की राय है कि इस खतरे से बचना होगा। इसलिए, धर्मनिरपेक्ष सोच वाले समूहों और लोगों का एकीकृत मोर्चा बनाया गया और सुनिश्चित किया जा रहा है कि वह (भाजपा) तीसरी बार सत्ता में न आए।'' उन्होंने कहा कि भाजपा को भी एहसास हो गया है कि तीसरी बार सत्ता में वापसी शायद संभव नहीं हो।

विजयन ने कहा, ''इस एहसास ने उसे कुछ खतरनाक कदम उठाने को मजबूर किया जो हाल की कुछ घटनाओं से इंगित होता है।'' उन्होंने कहा कि विभिन्न केंद्रीय एजेंसियों द्वारा विपक्षी पार्टियों द्वारा शासित चार राज्यों में की गई हालिया छापेमारी ''दिखाती है कि भाजपा कैसे बदली हुई परिस्थितियों में प्रतिक्रिया करती है।''

प्रादेशिक सेना ने मंदारिन भाषा विशेषज्ञों की भर्ती की

नई दिल्ली/भाषा। भारत की प्रादेशिक सेना (टेरिटोरियल आर्मी)ने मंदारिन भाषा विशेषज्ञों के एक बैच की भर्ती की है और उन्हें अग्रिम इलाकों में तैनात किया है। इस कदम का मकसद चीन की सेना के साथ सीमा मामले पर बातचीत के दौरान भारतीय पक्ष की भाषाई क्षमता को बढ़ाना है।

सूत्रों ने बताया कि इसके साथ ही प्रादेशिक सेना (टीए) कुछ साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों की नियुक्ति के संबंध में बातचीत कर रही है और उसने इसके लिए ''मानदंड तैयार'' कर लिए हैं। युद्ध और शांति काल में देश में सेवाएं देने वाली भारत की प्रादेशिक सेना का सोमवार को 75वां स्थापना दिवस है। रक्षा से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि पांच विशेषज्ञों का समूह सीमा कार्मिक बैठकों के दौरान भारत और चीन के अधिकारियों के बीच दुभाषियों की भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा, '' ये विशेषज्ञ भारतीय सेना को यह समझाने में मदद करेंगे कि अगले पक्ष (चीनी सेना) की ओर से वास्तव में क्या कहा जा रहा है। इससे पूरे परिदृश्य को भारत के दृष्टिकोण से समझने में मदद मिलेगी।'' एक अन्य सूत्र ने कहा कि इन लोगों को बीपीएमएस में भारतीय सेना की मदद के अलावा अन्य नौकरियों में भी पदस्थ किया जा सकता है।

अत्तीबेले पटाखा गोडाउन में अग्निकांड के पीड़ित लोगों का इलाज सेंट जॉन अस्पताल में चल रहा है। रविवार को मुख्यमंत्री सिद्दरामैया, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने अस्पताल में पीड़ितों के परिजनों से मुलाकात की।

रविवार को मुख्यमंत्री सिद्दरामैया, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और अन्य अधिकारियों ने अत्तीबेले में पटाखा गोड़ाउन स्थल का दौरा किया जहां शनिवार को दोपहर में आग लग गयी थी जिसके परिणामस्वरूप 14 लोगों की मौत हो गई।

बेंगलूरु में जान गंवाने वालों में ज्यादातर विद्यार्थी थे, पढ़ाई का खर्च जुटाने के लिए करते थे 'काम'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु के समीप पटाखों की एक दुकान में जान गंवाने वाले 14 लोगों में ज्यादातर गरीब विद्यार्थी थे जो अपनी पढ़ाई-लिखाई का खर्च जुटाने के लिए छुट्टियों के दौरान वहां काम करते थे। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि मृतकों में छह 12वीं कक्षा तथा स्नातक के विद्यार्थी थे। उन्होंने बताया कि शनिवार की इस त्रासदी के सिलसिले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है।

मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने रविवार को कहा कि बेंगलूरु शहरी जिले के सीमावर्ती अत्तिबेले शहर में पटाखों की एक दुकान एवं गोदाम में आग की घटना में जिन लोगों की जान चली गयी, उनमें ज्यादातर विद्यार्थी थे। उनके अनुसार ये लोग पड़ोसी राज्य तमिलनाडु के धरमपुरी और कृष्णागिरि जिलों के थे।

घटनास्थल का मुआयना करने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा, जिन लोगों की मौत हुई है, उनमें ज्यादातर विद्यार्थी थे और वे अपनी पढ़ाई के वास्ते पैसे जुटाने के लिए छुट्टियों के दौरान काम करते थे। प्रबंधक को छोड़कर कोई भी स्थायी कर्मी नहीं था। उन्होंने शोकसंतप्त परिवारों के सदस्यों से भेंट की तथा शोक प्रकट किया। सूत्रों ने बताया कि ये किशोर बहुत निर्धन पृष्ठभूमि से थे जो अपनी पढ़ाई-लिखाई का खर्च जुटाने तथा परिवार का सहारा बनने के लिए छुट्टियों के दौरान काम करते थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आग की इस घटना में जिन लोगों की मौत हुई है उनके परिवारों को पांच-पांच लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी।

सिद्दरामैया ने कहा, 'यह एक बड़ी त्रासदी है जहां 14 लोगों ने अपनी जान गंवायी। हम जांच करवायेंगे तथा जिनकी गलती होगी, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी संवेदना है तथा मैं ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना करता हूं।' मुख्यमंत्री ने कहा कि झुलसे हुए जिन तीन लोगों का अस्पताल में इलाज चल रहा है, उनके इलाज का खर्च राज्य सरकार उठायेगी। उन्होंने कहा कि इस घटना की सीआईडी जांच का आदेश दे दिया गया है।

उन्होंने कहा, 'शनिवार शाम तीन बजे तमिलनाडु से एक ट्रक पटाखे लाये गये। यह अब तक पता नहीं चल पाया है कि पटाखों में कैसे आग लगी। अधिकारियों की प्राथमिक जांच से खुलासा हुआ है कि एहतियाती उपाय नहीं किये गये थे।' मुख्यमंत्री ने कहा कि कहीं भी सुरक्षा उपकरण नहीं इस्तेमाल किये गये। उन्होंने कहा कि लाइसेंस धारक की लापरवाही स्पष्ट नजर आती है।

उन्होंने कहा कि लाइसेंस धारक रामास्वामी रेड्डी ने 31 अक्टूबर तक पटाखे बेचने के लिए 13 सितंबर को लाइसेंस का नवीनीकरण करवाया था। उन्होंने कहा कि उसके पास दूसरा व्यापार लाइसेंस था जिसकी समयसीमा 28 जनवरी 2026 थी। उन्होंने कहा कि गोदाम अधिकृत था या नहीं-- इसकी जांच की जानी है। इस बीच उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने कहा कि एक नीति बनायी जाएगी ताकि राज्य में पटाखों के कारण ऐसी त्रासदी न हो। उन्होंने कहा कि दीपावली के दौरान भारी मात्रा में पटाखे जमाकर रखे जाते हैं। उन्होंने कहा, सरकार ने पुलिस और जिला प्रशासन को सभी पटाखा गोदामों का निरीक्षण करने का निर्देश दिया है ताकि कहीं भी ऐसी घटनाएं दोबारा न हों।

पुलिस ने इस घटना के सिलसिले में प्राथमिकी दर्ज की है। रामास्वामी रेड्डी झुलसे हुए लोगों में शामिल है और उसका इलाज चल रहा है। सूत्रों के मुताबिक उसके बेटे को हिरासत में लिया गया है। इस घटना में बारह लोगों की मौके पर मौत हो गयी जबकि दो अन्य झुलसे लोगों ने बाद में दम तोड़ दिया। इस बीच तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन, अन्नाद्रमुक महासचिव ई के पलानीस्वामी और अन्य नेताओं ने इस घटना में लोगों की मौत पर शोक प्रकट कियां स्टालिन ने मारे गये लोगों के परिवारों के लिए तीन-तीन लाख रुपये की नकद राहत की घोषणा की है। एक बयान में उन्होंने कहा कि उन्होंने अपने मंत्रिमंडलीय सहयोगियों-- आर सक्करपानी और एम सुब्रमण्यम को झुलसे लोगों की इलाज जरूरत को देखने तथा उन्हें तमिलनाडु लाने में तालमेल संबंधी कदम उठाने के लिए नियुक्त किया है।

पटाखे की दुकान में आग से मरने वालों की संख्या 14 हुई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/चेन्नई। बेंगलूरु के अनेकल तालुक के अत्तीबेले इलाके में स्थित पटाखे की एक दुकान में आग लगने से दो और लोगों की मौत के बाद घटना में मरने वाले लोगों की कुल संख्या रविवार को 14 हो गई। पुलिस सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि शनिवार को दुकान में आग लगने से 12 लोगों की जलकर मौत हो गई थी, जबकि दो अन्य लोगों ने रविवार को इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने शनिवार को घटनास्थल का दौरा किया था और घटना में मारे गए लोगों के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपये का मुआवजा देने की घोषणा की थी। मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने घटना में लोगों की मौत पर संवेदना प्रकट की है।

पुलिस के मुताबिक, मृतकों में ज्यादातर पटाखे की दुकान में काम करने वाले कर्मचारी शामिल हैं, जिनकी पहचान सुनिश्चित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस ने बताया कि घटना शनिवार दोपहर साढ़े तीन बजे हुई, जब एक वाहन से पटाखों के डिब्बों को उतारने का काम जारी था। पुलिस अधीक्षक (बेंगलूरु देहात) मल्लिकार्जुन बालादंडी ने कहा, 'जिस वक्त आग लगी, उस वक्त कुछ कर्मचारी दुकान के अंदर काम कर रहे थे। दमकल की नौ से ज्यादा गाड़ियों को मौके पर भेजा गया और आग पर काबू पा लिया गया।'

पुलिस के अनुसार, नवरात्रि और दीपावली के मद्देनजर दुकान में लाखों रुपये के पटाखे रखे हुए थे, जिनमें आग लगने से विस्फोट होने लगा। उसने बताया कि आग की वजह से दुकान के आस-पास खड़े वाहन जलकर खाक हो गए। यह घटना तमिलनाडु सीमा से कुछ दूरी पर हुई। पुलिस के मुताबिक, ज्यादातर मृतक पड़ोसी राज्य तमिलनाडु के धर्मपुरी जिले के अम्मलपेट्टई, तिरुपत्तूर जिले के वानियमबाड़ी और कल्लाकुरिची जिले के रहने वाले हैं। उसने बताया कि घायलों में दुकान का मालिक भी शामिल है।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने गंभीर रूप से घायलों को एक-एक लाख रुपये और मामूली रूप से घायलों को 50-50 हजार रुपये मुआवजा देने की घोषणा की है।

बेंगलूरु अग्निकांड की जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी : सिद्दरामैया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने रविवार को कहा कि पटाखा गोदाम में आग लगने की घटना की जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी जिसमें 14 लोगों की मौत हो गयी थी। यह घटना शनिवार दोपहर बेंगलूरु शहरी जिले के अत्तीबेले में हुई जिसमें 12 लोगों की जलने से मौत हो जबकि रविवार को दो और लोगों की इलाज के दौरान मौत हो गई।

मुख्यमंत्री ने कहा, आग लगने की घटना की जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी। हमें यह भी पता लगाना है कि पटाखों के गोदाम में सुरक्षा के क्या-क्या उपाय किए गए थे।

पटाखा गोदाम के मालिक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है और उसके बेटे को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मृतकों के परिजनों को कर्नाटक सरकार 5-5 लाख रुपये का मुआवजा देगी। आगजनी में मरने वाले अधिकांश लोग तमिलनाडु के थे। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने भी मृतकों के परिजनों को राहत के रूप में दो-दो लाख रुपये नकद देने की घोषणा की है।

कर्नाटक पटाखा आग मामला

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने कहा, हमारी सरकार दोषियों को नहीं बख्शेगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को कहा कि कर्नाटक में पार्टी की सरकार पटाखे की दुकान में आग की घटना के लिए जिम्मेदार दोषियों को नहीं बख्शेगी, जिसमें 14 लोगों की जान चली गई उन्होंने कहा कि राज्य सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि सभी संभावित सुरक्षा उपाय किए जाएं, ताकि ऐसी घटनाएं भविष्य में दोबारा न हों।

खरगे ने इस घटना में जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना भी व्यक्त की। उन्होंने 'एक्स' पर कहा, कर्नाटक के अनेकल तालुक के अट्टीबेले इलाके में एक पटाखा दुकान में हुई भयानक त्रासदी के बारे में जानकर बेहद दुख हुआ। दुख की इस घड़ी में शोक संतप्त परिवारों के प्रति हमारी गहरी संवेदना। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना है। राज्य सरकार ने प्रत्येक पीड़ित परिवार के लिए पांच लाख रुपये मुआवजे की घोषणा की है।

उन्होंने कहा, हम दोषियों को नहीं बख्शेंगे और सभी संभव सुरक्षा उपाय किए जाएंगे, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों।

अनीश और ज्योति बेंगलूरु मैराथन के चैम्पियन बने

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। सेना के अनीश थापा और महाराष्ट्र की ज्योति गावते रविवार को यहां बेंगलूरु मैराथन में क्रमश: पुरुष और महिला वर्ग के चैम्पियन बने। नयी दिल्ली मैराथन के चैम्पियन अनीश ने यहां दो घंटे 18:06 मिनट का समय लिया जबकि सेना के ही अक्षय सैनी (2.25:04) और उत्तर प्रदेश के कुलदीप सिंह (2.26:38) तीसरे स्थान पर रहे। महिलाओं की दौड़ में महाराष्ट्र के धावकों का दबदबा रहे। गावते (3:08:53) को राज्य की अश्विनी जाधव (3:09:00) से कड़ी टक्कर मिली। महाराष्ट्र की ही प्राची गोडबोले (3.13:17) तीसरे स्थान रही। वैभव पाटिल ने 1.11:50 के समय के साथ पुरुषों की हाफ मैराथन जीती, जबकि बिजोया बर्मन ने 1.34:39 के समय के साथ महिला वर्ग में खिताब हासिल किया।

चेपॉक मैदान के खेल क्षेत्र में जार्वो की घुसपैठ से सुरक्षा पर उठा सवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और मैचों के दौरान क्रिकेट मैदान पर घुसपैठ के लिए जाने जाने वाले डेनियल जार्विस उर्फ जार्वो रविवार को यहां भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच मैच शुरू होने से पहले चेपॉक मैदान में एक बार फिर से घुसपैठ करने में सफल रहा। जार्वो भारतीय टीम की जर्सी पहनकर मैदान में घुसने में सफल रहा लेकिन खिलाड़ियों तक पहुंचने से पहले ही यहां एमए चिदंबरम स्टेडियम में सुरक्षा अधिकारियों ने उसे पकड़ लिया। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने जार्वो को टूर्नामेंट में आगे के मैचों में भाग लेने से प्रतिबंधित कर दिया। इस मामले में हालांकि बड़ा सवाल यह है कि वह विशेष लोगों के लिए आरक्षित जगह पर कैसे पहुंचा। उसने कई सुरक्षा घेरा तोड़कर खेल के मैदान (एफओपी) में कैसे प्रवेश किया। आईसीसी के प्रवक्ता ने पीटीआई से कहा, संबंधित व्यक्ति को इस आयोजन में किसी भी अन्य मैच में भाग लेने से प्रतिबंधित कर दिया गया है। यह मामला अब भारतीय अधिकारियों के हाथ में है।

यह चौथी बार है ब्रिटेन के इस व्यक्ति ने भारतीय टीम के मैच में घुसपैठ की है। वह इससे पहले भारत के इंग्लैंड दौरे पर तीन टेस्ट मैचों के दौरान मैदान में घुसपैठ करने में सफल रहा था। रविवार की घटना के बाद आईसीसी के साथ-साथ बीसीसीआई को भी शर्मिंदगी उठानी पड़ी होगी क्योंकि जब भारतीय टीम मार्च पास्ट के लिए लाइन में खड़ी थी तो भारत की जर्सी पहने जार्वो बड़े आराम से आयोजन स्थल में दाखिल हुआ और टीम के सबसे बड़े स्टार विराट कोहली के करीब जाने की कोशिश करने लगा।

आईसीसी प्रवक्ता ने कहा, ''आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2023 में शामिल सभी लोगों की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है। हम यह समझने के लिए आयोजन स्थल के साथ काम करेंगे कि यह कैसे हुआ। हम देखेंगे कि क्या ऐसी घटना को दोबारा होने से रोकने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा उपाय की जरूरत है।'

उद्घाटन

बेंगलूरु में रविवार को कंटीरवा स्टेडियम में विप्रो बेंगलूरु मैराथन का उद्घाटन राज्यपाल थावरचन्द गहलोत ने किया।

हमारी रगों में बहता है सनातन धर्म, अगर हिंदू भावनाएं आहत हुईं तो चुप नहीं रहेंगे : बोम्मई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हावेरी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता बसवराज बोम्मई ने कर्नाटक में गणपति महोत्सव को रोकने का प्रयास करने वालों को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर किसी ने भी हिंदू भावनाओं को आहत किया तो वह चुप नहीं रहेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि महान सनातन धर्म उनकी रगों में बहता है।

बोम्मई ने कहा, 'अगर हमारे सनातन धर्म की तुलना मलेरिया से की जाएगी तो क्या हमें चुप रहना चाहिए? सनातन धर्म हमारी रगों में बहता है। अगर किसी ने हमारी भावनाओं को आहत करने का प्रयास किया तो हम चुप नहीं रहेंगे।' हावेरी जिले के बंकापुर में शनिवार को आयोजित हिंदू जागृति सम्मेलन को संबोधित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि गणपति महोत्सव को रोकने का प्रयास किया जा रहा है।

बोम्मई के कार्यालय की ओर से जारी एक बयान में उनके हवाले से कहा गया है, 'हम उस सनातन धर्म से ताल्लुक रखते हैं, जो इस दुनिया में पूरी मानव जाति के कल्याण का प्रसार करता है।

पाकिस्तान या अफगानिस्तान के विपरीत यहां सभी धर्मों के लोग रहते हैं।' बोम्मई ने कहा, 'यहां सभी स्वीकार्य हैं। यह सनातन धर्म की खूबसूरती है और कुछ लोग इसे डेंगू एवं मलेरिया बता रहे हैं। क्या उनमें इतनी हिम्मत है कि वे दूसरे धर्मों की तुलना इन बीमारियों से कर सकें? अगर वे ऐसा करेंगे तो क्या होगा?'

बोम्मई, सनातन धर्म के खिलाफ द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) के नेता और तमिलनाडु सरकार में मंत्री उदयनिधि स्टालिन की टिप्पणियों का संदर्भ दे रहे थे।

इसरो ने आदित्य-एल1 के प्रक्षेपण पथ में सुधार संबंधी प्रक्रिया को पूरा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने रविवार को कहा कि उसने देश के पहले सौर मिशन आदित्य एल1 अंतरिक्ष यान के प्रक्षेपण पथ संशोधन संबंधी प्रक्रिया (टीसीएम) को पूरा कर लिया है। इसरो ने यह भी कहा कि अंतरिक्ष यान ठीक तरीके से काम कर रहा है। इसरो ने 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर कहा, अंतरिक्ष यान बिल्कुल सही स्थिति में है और सूर्य की तरफ बढ़ रहा है। छह अक्टूबर को इसके प्रक्षेपण पथ में लगभग 16 सेकंड के लिए सुधार किया गया था। इसे ट्राजेस्टरी करेक्शन मैनुवर (टीसीएम) कहा जाता है।''

इसरो ने कहा कि 19 सितंबर, 2023 को किए गए ट्रांस-लैग्रेंजियन प्वाइंट1 इंसर्शन (टीएल1आई) को ट्रैक करने के बाद मूल्यांकन किए गए प्रक्षेपण पथ को सही करने के लिए इसकी आवश्यकता थी।

आदित्य-एल1 को सूर्य-पृथ्वी के लैग्रेंजियन बिंदु (एल1) से अवलोकन के लिए तैयार किया गया है। एल1 पृथ्वी से लगभग 15 लाख किमी दूर स्थित है। इसरो के अनुसार, टीसीएम प्रक्रिया यह सुनिश्चित करती है कि अंतरिक्ष यान एल1 के आसपास हेलो' कक्षा में प्रवेश की दिशा में अपने निर्धारित पथ पर है। अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा, जैसे-जैसे आदित्य-एल1 आगे बढ़ता रहेगा, मैग्नेटोमीटर कुछ दिनों के भीतर फिर से चालू हो जाएगा।

आदित्य एल1 को दो सितंबर को श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र (एसडीएससी) से सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया गया था। अंतरिक्ष यान के 125 दिन में पृथ्वी से लगभग 15 लाख किमी की दूरी तय करने के बाद, लैग्रेंजियन बिंदु एल1 के आसपास एक 'हेलो' कक्षा में स्थापित होने की उम्मीद है जिसे सूर्य के सबसे करीब माना जाता है। यह विभिन्न अध्ययनों समेत वैज्ञानिक प्रयोगों के लिए सूर्य की तस्वीरें भी भेजेगा।

प्रदर्शन

रविवार को बेंगलूरु के फ्रीडम पार्क में कावेरी आंदोलन के दौरान अनोखा विरोध प्रदर्शन कुरुबुरु शांताकुमार के नेतृत्व में कर्नाटक जल संरक्षण समिति के सदस्यों ने किया।

अंतरराष्ट्रीय दृष्टिहीनता निवारण दिवस मनाया

चेन्नई। डॉ. अग्रवाल आई हॉस्पिटल तथा नेत्र देखभाल की गैर सरकारी संगठन इंडिया विज़न इंस्टिट्यूट (आईवीआई) के संयुक्त तत्वावधान में विश्व दृष्टि दिवस के उपलक्ष्य में एक कार्यक्रम का आयोजन इलीएट बीच पर किया गया। जिसमें विदेशी राजनयिकों से लेकर नेत्र चिकित्सकों, छात्रों, दृष्टिबाधित लोगों के साथ आम जनता सहित पांच सौ अधिक लोगों के एक समूह ने रेत पर चश्मे की एक जोड़ी जैसी दृष्टि की आश्चर्यजनक छवि बनाई। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पुलिस उपायुक्त यातायात चेन्नई पूर्व (आईपीएस) समय सिंह मीणा ने भी भाग लिया। इस कार्यक्रम में सैकड़ों लोगों ने आंखों पर काली पट्टी बांधकर पैदल यात्रा की। ज्ञातव्य है की अंतरराष्ट्रीय दृष्टिहीनता निवारण दिवस प्रतिवर्ष अक्टूबर के दूसरे गुरुवार को मनाया जाता है। इस वर्ष की थीम है कार्य करते वक्त अपने आंखों को प्यार करें जो कार्य स्थलों पर नेत्र स्वास्थ्य की देखभाल की आवश्यकता पर जोर देता है। इस अवसर पर अग्रवाल आई हॉस्पिटल के डीन डॉ. डी करपागम ने कहा कि दुनिया भर में 2.2 बीलियन से अधिक लोग दृष्टि दोष के साथ जीवन जीने के लिए मजबूर है जिनमें से दो प्रमुख कारण है और पहला कारण मोतियाबिंद है जिसमें दृष्टिहानि के लिए चालीस प्रतिशत मामले जिम्मेवार है।

ज्ञापन

जयपुर में रविवार को नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ भाजपा प्रतिनिधिमंडल के साथ राजभवन पहुंचकर राज्यपाल कलराज मिश्र से मुलाकात कर उन्हें राज्य में बढ़ते महिला अत्याचारों और दुष्कर्म की घटनाओं को लेकर सरकार को सख्त कार्यवाही करने के निर्देश देने के संबंध में ज्ञापन सौंपा।

राजस्थान में होगा जाति आधारित सर्वेक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सभी वर्गो के सर्वांगीण विकास के लिए संकल्पित राज्य सरकार अपने संसाधनों से जाति आधारित सर्वेक्षण कराएगी। सर्वेक्षण में राज्य के समस्त नागरिकों के सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षणिक स्तर के सम्बंध में जानकारी एवं आकंडे एकत्रित किए जाएंगे।

राज्य सरकार द्वारा इनका विशेष अध्ययन कराकर वर्गों के पिछडेपन की स्थिति में सुधार लाने के लिए विशेष कल्याणकारी उपाय और योजनाएं लागू की जाएगी। इससे सभी वर्गों के जीवन स्तर में सुधार आएगा। राज्य मंत्रिमंडल के निर्णय की अनुपालना में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के शासन सचिव डॉ. समित शर्मा द्वारा इस सम्बंध में आदेश जारी किया गया है।

सर्वेक्षण कार्य आयोजना (आर्थिक एवं सांख्यिकी) विभाग द्वारा नोडल विभाग के रूप में सम्पादित किया जाएगा। साथ ही, सभी जिला कलेक्टर सर्वेक्षण के लिए नगर पालिका, नगर परिषद, नगर निगम, ग्राम एवं पंचायत स्तर पर विभिन्न विभागों के अधीनस्थ कार्मिकों की सेवाएं ले सकेंगे। कार्य के लिए नोडल विभाग द्वारा प्रश्नावली तैयार की जाएगी। इसमें उन समस्त विषयों का उल्लेख होगा, जिससे प्रत्येक व्यक्ति की सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षणिक स्तर की सम्पूर्ण जानकारी प्राप्त हो सके। सर्वेक्षण से प्राप्त सूचनाएं एवं आंकड़े ऑनलाइन फीड किए जाएंगे। इसके लिए सूचना, प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग द्वारा पृथक से विशेष सॉफ्टवेयर एवं मोबाइल एप बनाया जाएगा। सर्वेक्षण से प्राप्त संकलित की गई सूचनाएं विभाग सुरक्षित रखेगा।

कांग्रेस ईआरसीपी को मुख्य मुद्दा बनाकर 16 से चुनावी अभियान की शुरुआत करेगी

पूर्वी राजस्थान के 13 जिलों में झालावाड़, बारां, कोटा बूंदी, सवाई माधोपुर, अजमेर, टोंक, जयपुर, दौसा, करौली, अलवर, भरतपुर और धौलपुर शामिल हैं। रंधावा ने यहां एक बैठक के बाद संवाददाताओं से बातचीत में कहा, आज हमारी पूर्वी राजस्थान के हमारे नेताओं के साथ बैठक हुई। जैसा कि मुख्यमंत्री ने कहा कि हम पूर्वी राजस्थान नहर परियोजन (ईआरसीपी) के गठन पर भाजपा के विश्वासघात के खिलाफ पूर्वी राजस्थान से अपना चुनाव अभियान शुरू करेंगे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस पार्टी राज्य में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) को अपनी प्राथमिकता सूची में रखते हुए 16 अक्टूबर से बारां जिले से 'काम किया दिल से, कांग्रेस फिर से' नारे के साथ अपना चुनाव अभियान शुरू करेगी। कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने इसकी जानकारी दी। पार्टी पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) को अपनी प्राथमिकता सूची में रखते हुए बारां जिले से अपना अभियान शुरू करेगी और पूर्वी राजस्थान के 13 जिलों को कवर करेगी जहां लोगों के लिए पीने और सिंचाई के पानी की पूर्ति के लिए नहर प्रस्तावित है।

पूर्वी राजस्थान के 13 जिलों में झालावाड़, बारां, कोटा बूंदी, सवाई माधोपुर, अजमेर, टोंक, जयपुर, दौसा, करौली, अलवर, भरतपुर और धौलपुर शामिल हैं। रंधावा ने यहां एक बैठक के बाद संवाददाताओं से बातचीत में कहा, आज हमारी पूर्वी राजस्थान के हमारे नेताओं के साथ बैठक हुई। जैसा कि मुख्यमंत्री ने कहा कि हम पूर्वी राजस्थान नहर परियोजन (ईआरसीपी) के गठन पर भाजपा के विश्वासघात के खिलाफ पूर्वी राजस्थान से अपना चुनाव अभियान शुरू करेंगे। उन्होंने कहा, यह राजस्थान का दुर्भाग्य है कि केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत साहब के केन्द्र में मंत्री होने के बावजूद, राज्य को परियोजना नहीं मिल सकी। पूरे देश के बारे में बात करने से पहले, उन्हें अपने गृह राज्य पर ध्यान देना चाहिए था।'

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी गहलोत सरकार द्वारा किये गये विकास कार्यों पर भाजपा से सवाल पूछेगी। रंधावा ने कहा कि राज्य में 2023 का विधानसभा चुनाव जीतना पार्टी का स्पष्ट एजेंडा है और पार्टी चुनावी मोड में आने के लिए उत्साहित है। उन्होंने कहा कि पार्टी का प्रदेश प्रभारी बनने के बाद सभी नेता एक साथ आ गये हैं और सभी के डीएनए में कांग्रेस है।

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि 16 अक्टूबर से बारां जिले से चुनावी अभियान शुरू होगा। उन्होंने कहा कि पार्टी हर दिन दो जिलों को कवर करेगी और एक जिले में बड़ी जनसभा करेगी। अभियान शुरू होने से पहले 15 अक्टूबर तक प्रखंड स्तर पर लोगों को जागरूक किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने अपने जन घोषणापत्र में किए गए 98 फीसदी वादे पूरे कर दिए हैं और अगला घोषणापत्र विजन 2030 दस्तावेज के आधार पर तैयार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार की योजनाओं का असर राज्य की जनता पर पड़ा है, कोई सत्ता विरोधी लहर नहीं है और भाजपा अंदर गुटबाजी है। डोटासरा ने कहा भाजपा न तो एकजुट है और न ही उनके पास गहलोत सरकार की योजनाओं को लेकर कोई विजन और जवाब है।

उन्होंने कहा कि सोमवार को दिल्ली में कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक होनी है। उन्होंने कहा कि राज्य चुनाव समिति अपने द्वारा तैयार किए गए पैनलों के नाम स्क्रीनिंग कमेटी के समक्ष रखेगी ताकि उन पर चर्चा की जा सके और निर्णय लिया जा सके। उन्होंने कहा कि जब आलाकमान केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक के लिए समय देगा तब विधानसभा चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों की सूची आ जायेगी। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि पार्टी 'काम किया दिल से, कांग्रेस फिर से' नारे के साथ चुनाव में उतरेगी।

उन्होंने किसान माधुराम जयपाल का भी जिक्र किया। किसान की तस्वीर भाजपा द्वारा अपने अभियान 'नहीं सहेगा राजस्थान' के तहत जारी पोस्टर में दिखाई गई थी। यह पोस्टर किसानों के मुद्दे से संबंधित है जिसमें भाजपा ने दावा किया है कि उन्नीस हजार से अधिक किसानों की जमीन नीलाम कर दी गई है और इसे कई स्थानों पर होर्डिंग के रूप में लगाया गया है।

कमजोर शासन व्यवस्था के कारण प्रदेश की बच्चियां आत्महत्या को मजबूर : सीपी जोशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चित्तौड़गढ़। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने पीपलखूंट, प्रतापगढ़ की विद्यालय में पढ़ने वाली दो बच्चियों के छेड़छाड़ से परेशान होकर आत्महत्या करने के मामले में उनके घर जाकर श्रद्धांजलि दी, पीड़ित परिजनों से मिलकर ढांढस बंधाया और उपस्थित पत्रकारों से बात करते हुए बताया कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार के राज में न तो महिलाएं सुरक्षित हैं और न बच्चियां। जिस प्रकार से यह घटना हुई है यदि समय रहते कार्रवाई हो जाती तो बच्चियों को आत्महत्या नहीं करनी पड़ती।

सीपी जोशी ने कहा कि 4 अक्टूबर को पीड़ित परिजनों ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी परंतु कुछ नहीं हुआ। 6 अक्टूबर को छेड़छाड़ करने वाले आरोपियों को थाने में ले जाया गया, उसके बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। आरोपी 7 अक्टूबर को बच्चियों को घर से उठाकर ले गए और ढूंढने पर परिजनों को बच्चियां अचेत अवस्था में मिली।

सरकार और पुलिस की तरफ से जब कोई कार्रवाई नहीं हुई तो, हताशा और न्याय नहीं मिलने के कारण उन्हें आत्महत्या के लिए मजबूर होना पड़ा। सीपी जोशी ने कहा कि इस घटना का जिम्मेदार प्रत्यक्ष रूप से मुख्यमंत्री अशोक गहलोत है, जो सरकार में गृहमंत्री भी हैं। उन्हें ऐसे मामलों के बाद अपने पद पर रहने का कोई नैतिक हक नहीं। पिछले पौने पांच वर्षों में एक के बाद एक ऐसी अनेक घटनाएं हुई है, जो प्रदेश को लगातार शर्मसार कर रही है। आज विद्यालय, एम्बुलेंस, अस्पताल, पुलिस स्टेशन, सरकारी कार्यालय, सड़क, सार्वजनिक स्थान सहित प्रदेश में महिलाएं और बच्चियां कहीं सुरक्षित नहीं है।

ऐसी घटनाएं कमजोर शासन का नतीजा है। सुरक्षित और शांतप्रिय प्रदेश माने जाने वाले राजस्थान में ऐसी घटनाएं अत्यधिक शर्मनाक है। इस दौरान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने उपस्थित पुलिस कर्मियों से भी बात की लेकिन वे उनके प्रश्नों का उचित जवाब नहीं दे पाए।

जैसलमेर के बुजुर्ग से मिले गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जैसलमेर के बुजुर्ग माधुराम जयपाल (70) से अपने निवास पर मुलाकात की। इस मुलाकात का वीडियो गहलोत ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर साझा किया। इसमें वे किसान माधुराम से कह रहे हैं, हम इसे (पोस्टर को) हटवा देंगे। ठीक है। चिंता मत करो। भाजपा ने पोस्टर लगाए हैं। भाजपा खुद 'एक्सपोज' हो गई है। अगर भाजपा ने बेईमानी की है तो वे भुगतेंगे। आप चिंता क्यों करते हैं।

उल्लेखनीय है कि माधुराम की तस्वीर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राज्य सरकार के खिलाफ अपने चुनावी अभियान 'नहीं सहेगा राजस्थान' के तहत जारी पोस्टर में लगाई थी। इसको लेकर विवाद हो गया। माधुराम ने अपनी तस्वीर के गलत इस्तेमाल का आरोप लगाते हुए कहा कि पोस्टर में किए गए भाजपा के दावे से उनका कोई लेना-देना नहीं है।

यह पोस्टर किसानों के मुद्दे से संबंधित है जिसमें भाजपा ने दावा किया है कि राज्य में उन्नीस हजार से अधिक किसानों की जमीन नीलाम कर दी गई है और इसे कई स्थानों पर होर्डिंग के रूप में लगाया गया है।

पोस्ट में गहलोत ने लिखा, हमारे किसान को क्यों किया बदनाम, भाजपा से पूछ रहा पूरा राजस्थान। माधुराम से मुलाकात के दौरान गहलोत ने सरकार के महंगाई राहत शिविरों के तहत मिलने वाली सरकारी योजनाओं का लाभ के बारे में भी उनसे पूछताछ की।

पुष्कर मेले के मुख्य आकर्षण होंगे ऊंट पोलो, घुड़सवारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। ऊंट पोलो और घुड़सवारी प्रतियोगिताएं इस साल के अंतरराष्ट्रीय पुष्कर मेले का मुख्य आकर्षण होंगी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया इस दौरान देसी बैलों की परेड भी आयोजित की जाएगी जिसके लिए मेला आयोजकों ने प्रस्ताव तैयार किया है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष मेला 14 से 29 नवंबर तक आयोजित किया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि मेले में पहली बार ऊंट पोलो को शामिल करने का निर्णय पुष्कर में होली उत्सव के दौरान इसे मिली सफलता को देखते हुए लिया गया।

पशुपालन विभाग के अतिरिक्त निदेशक (अजमेर रेंज) डॉ. नवीन परिहार ने बताया कि 'होली के दौरान ऊंट पोलो प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था और इसे देखने के लिए पर्यटकों में उत्साह था। इसलिए पहली बार इस साल पशु मेले में ऊंट पोलो को जोड़ा गया है।' परिहार ने बताया कि एक टीम में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय पर्यटक शामिल होंगे जबकि दूसरे में घरेलू पर्यटक और प्रशासन के लोग शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि मेले को दर्शकों के लिए और अधिक आकर्षक बनाने के लिए इसमें घुड़सवारी को भी शामिल करने की तैयारी चल रही है। परिहार ने

बताया , अंतरराष्ट्रीय स्तर की घुड़सवारी प्रतियोगिता आयोजित करने की योजना थी, जिसमें हॉलैंड, इंग्लैंड, दुबई और स्विटजरलैंड के घुड़सवारों को आमंत्रित किया जाना था। लेकिन, सीकर जिले में ग्लैंडर्स रोग की सूचना मिलने के बाद घुड़सवारी प्रतियोगिताओं में केवल स्थानीय स्तर के घोड़ों को ही शामिल करने का निर्णय किया गया है।

अधिकारियों ने बताया कि विभाग ने घोड़ा पालकों, पशुपालकों और घोड़ों का परिवहन करने वालों के लिए दिशानिर्देश जारी कर उनसे उन राज्यों और जिलों से मेले में घोड़े नहीं लाने को कहा है जहां ग्लैंडर्स रोग के मामले पाए गए हैं। उन्होंने बताया कि विभाग ने इस वर्ष मेले में विभिन्न गोवंशों की परेड आयोजित करने का भी प्रस्ताव तैयार किया है। परिहार ने बताया, मेले में पहली बार इस साल देशी गिर गायों और बैलों की प्रतियोगिता भी आयोजित की जाएगी। एक प्रस्ताव निदेशालय को भेजा गया है। मेले में नागौरी बैलों के भाग लेने के लिए पशुपालकों से भी संपर्क किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि मेले के दौरान पर्यटकों को परेशानी न हो, इसके लिए सड़कों पर विशेष इंतजाम किये गये हैं। उन्होंने कहा कि मेला शुरू होने से पहले ही दिवाली के आसपास अक्सर पशुपालक सड़कों के किनारे अवैध कब्जा कर लेते हैं, इससे सड़क पर जाम लग जाता है और यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। इस साल ऐसी स्थिति से बचने के लिए योजना बनाई गई है।

पुष्कर का 15 दिवसीय मेला तीन चरणों में होता है। प्रथम चरण में पशु मेला दिवाली के दूसरे दिन शुरू होता है। इस दिन से ही पशुओं एवं पशुपालकों का आगमन प्रारम्भ हो जाता है। प्रशासनिक स्तर पर दूसरा चरण कार्तिक शुक्ल गोपाष्टमी से प्रारंभ होता है। इस दिन जिलाधिकारी मेला स्टेडियम में ध्वजारोहण कर मेले की औपचारिक शुरुआत करते हैं। इस दिन से खेलकूद एवं पशु प्रतियोगिताएं तथा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रारम्भ हो जाते हैं।

तीसरे और अंतिम चरण के तहत धार्मिक मेला देवउठनी एकादशी से शुरू होता है। पांच दिवसीय धार्मिक मेला कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित विशाल स्नान के साथ समाप्त होता है। पुष्कर पशु मेले में हजारों ऊँट, घोड़े और विभिन्न प्रजाति के जानवर आते हैं। पशुपालकों के बीच करोड़ों रुपये का लेन-देन होता है। लाखों श्रद्धालु पवित्र पुष्कर झील में डुबकी लगाने और क्षेत्र के मंदिरों के दर्शन करने आते हैं। प्रशासन द्वारा प्रतिभागियों के मनोरंजन के लिए कई रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है, जिसमें राजस्थानी लोक कलाकार और अंतरराष्ट्रीय स्तर के कलाकार भाग लेते हैं।

प्रतापगढ़ जिले में दो नाबालिग चचेरी बहनों ने आत्महत्या की : पुलिस

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान के प्रतापगढ़ जिले में दो चचेरी बहनों ने अपने चार सहपाठियों द्वारा कथित तौर पर छेड़छाड़ किये जाने के बाद जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि नाबालिग बहनें बारहवीं कक्षा में पढ़ती थीं। घंटाली के थाना प्रभारी सोहन लाल ने बताया कि करीब 16 साल उम्र की चचेरी बहनें एक सरकारी स्कूल में पढ़ती थीं। उन्होंने बताया कि बड़ी लड़की के पिता ने बुधवार को चार लड़कों के खिलाफ छेड़छाड़ और धमकी देने की प्राथमिकी दर्ज करायी थी। उन्होंने बताया कि पिता की शिकायत के बाद पुलिस ने शनिवार को आरोपियों के खिलाफ दुष्कर्म की धारा जोड़ दी।

उन्होंने बताया कि आत्महत्या के तुरंत बाद पुलिस ने एक नाबालिग समेत तीन आरोपियों को पकड़ लिया। उन्होंने बताया कि पीड़ितों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया है।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं चित्तौड़गढ़ से सांसद सी पी जोशी ने इस घटना को 'एक कमजोर, नाकारा, निकम्मी, भ्रष्ट कांग्रेस सरकार के राज में अपराधियों के हौंसलों का परिणाम' बताया।

राजस्थान के सीकर में नीट अभ्यर्थी ने आत्महत्या की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के सीकर में एक निजी छात्रावास में रहकर राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (नीट) की तैयारी कर रहे 18 वर्षीय छात्र ने पंखे से लटककर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। एक पुलिस अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। उद्योग नगर थानाधिकारी सुरेंद्र डेगरा ने बताया कि भरतपुर जिले के नदबई कस्बे का रहने वाला नितिन फौजदार नीट परीक्षा की तैयारी के लिए जून में सीकर आया था। उन्होंने बताया कि नितिन एक कोचिंग सेंटर से तैयारी कर रहा था और वह शनिवार को क्लास के लिए नहीं पहुंचा। थानाधिकारी के मुताबिक, जब नितिन के दोस्त ने कमरा अंदर से बंद पाया, तो उसने खिड़की खोली और शव को पंखे से लटका देखा।

सीकर में पिछले तीन दिनों में छात्र आत्महत्या का यह दूसरा मामला है। इससे पहले, पांच अक्टूबर को 16 वर्षीय नीट अभ्यर्थी कौशल ीणा ने अपने छात्रावास के कमरे में कथित तौर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी।

मण्डोर में खुलेगा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं ट्रोमा सेंटर

जयपुर/दक्षिण भारत । राज्य सरकार के निर्णयों से प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाएं निरन्तर सुदृढ़ हो रही हैं। इसी क्रम में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मंगलेश्वर महादेव मंदिर ट्रस्ट, मण्डोर (जोधपुर) में 30 बेड वाले शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं ट्रोमा सेंटर खोले जाने की मंजूरी दी है। साथ ही, इसके संचालन के लिए 38 नवीन पदों के सृजन की भी स्वीकृति प्रदान की है।

गहलोत की इस स्वीकृति से सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के लिए 22 एवं ट्रोमा सेंटर के लिए 16 नवीन पदों का सृजन होगा। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के लिए कनिष्ठ विशेषज्ञ, चिकित्साधिकारी एवं सफाई कर्मचारी के 2-2, वरिष्ठ चिकित्साधिकारी, नर्स प्रथम श्रेणी, फार्मासिस्ट, सहायक रेडियोग्राफर, लैब टेक्नीशियन एवं कनिष्ठ/वरिष्ठ सहायक के 1-1, नर्स द्वितीय श्रेणी के 6 तथा वार्ड ब्वॉय के 4 पद सृजित किये जाएंगे।

संवाद

जयपुर में जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन के सम्मेलन में समाज के प्रमुख उद्यमियों, व्यापारियों तथा प्रोफेशनल्स से संवाद करते लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला।

बजरंग दल ने रांची में शौर्य जागरण यात्राएं निकालीं

रांची/भाषा। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) की युवा शाखा बजरंग दल ने अयोध्या में बन रहे राम मंदिर के जनवरी में उद्घाटन से पहले अनुष्ठान में लोगों को आमंत्रित करने के लिए रविवार को यहां चार शौर्य जागरण यात्राएं निकालीं। रातू रोड स्थित पहाड़ी मंदिर, चुटिया के मंडा मैदान, बड़गाईं के पंचमुखी हनुमान मंदिर और रातू के रातू गढ़ से निकाली गई यात्रा में विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के हजारों कार्यकर्ता शामिल हुए। चार रथों के साथ कार्यकर्ता शहर के विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए प्रभात तारा मैदान पहुंचे जहां एक धार्मिक सभा में इसका समापन हुआ।

विहिप के केंद्रीय सचिव अशोक तिवारी ने कहा, ''अयोध्या में राम मंदिर बन रहा है। हिंदुओं ने इसके लिए 500 वर्षों तक लड़ाई लड़ी और कई लोगों ने इसके लिए अपने जीवन का बलिदान दिया। 27 जनवरी, 2024 के बाद, प्रत्येक हिंदू को अयोध्या जाना चाहिए। भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा का दिन झारखंड के हर गांव में दिवाली की तरह मनाया जायेगा। शनिवार को, विभिन्न मानवाधिकार संगठनों के गठबंधन, झारखंड जनाधिकार महासभा ने झारखंड के मुख्य सचिव, डीजीपी और रांची के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से रैलियों पर कड़ी नजर रखने और यह सुनिश्चित करने का अनुरोध किया था कि कोई उत्तेजक या सांप्रदायिक भाषण न दिया जाए।

सिक्किम : बाढ़ में मरने वालों की संख्या हुई 32, लापता लोगों की तलाश के लिए अभियान जारी

गंगटोक/भाषा। सिक्किम में तीस्ता नदी में आई अचानक बाढ़ के मलबे से नौ सैन्य कर्मियों सहित 32 लोगों के शव बरामद किए जा चुके हैं जबकि 100 से ज्यादा लापता लोगों की तलाश के लिए खोज अभियान अब भी जारी है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। सिक्किम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एसएसडीएमए) के मुताबिक, बुधवार तड़के बादल फटने से आई अचानक बाढ़ ने 41,870 लोगों को प्रभावित किया है। राज्य के अलग-अलग हिस्सों से अभी तक 2563 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। इतना ही नहीं सिक्किम के ज्यादातर इलाकों का संपर्क दूसरे राज्यों से टूट गया है। एसएसडीएमए ने बताया कि 122 लापता लोगों की तलाश अब भी जारी है। सिक्किम के पकयोंग जिले में 78, गंगटोक जिले में 23, मंगन में 15 और नामची में छह लोग लापता हैं। अधिकारियों ने बताया कि खोज अभियान में विशेष रडार, ड्रोन और सैन्य कुत्तों को लगाया गया है। अभी तक पकयोंग में 21, गंगटोक में छह, मंगन में चार और नामची में एक शव बरामद किया गया है। अधिकारियों के मुताबिक, सिक्किम की जीवन रेखा माने जाने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग 10 पर सड़कों में दरार आने व तीस्ता नदी पर कई पुल क्षतिग्रस्त होने की वजह से आवाजाही बंद है।

मिजोरम म्यांमा से मादक पदार्थों की तस्करी का नया मार्ग बना, पुलिस ने तेज की कार्रवाई

आइजोल/भाषा। मणिपुर में मौजूदा जातीय हिंसा के बीच पड़ोसी राज्य मिजोरम म्यांमा से मादक पदार्थों की तस्करी के नये मार्ग के रूप में उभरा है और पुलिस ने इसका मुकाबला करने के लिए प्रयास तेज कर दिये हैं। अधिकारियों के अनुसार पुलिस कार्रवाई के फलस्वरूप सप्ताहभर के अंदर 60 करोड़ रुपये मूल्य के मादक पदार्थ बरामद किए गए हैं तथा म्यांमा के दो नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। मणिपुर में तीन मई से जातीय हिंसा भड़कने के बाद 180 से अधिक लोगों की मौत हो गयी तथा सैंकड़ों अन्य घायल हो गये। अधिकारियों ने बताया कि मणिपुर में जातीय हिंसा पर काबू की कोशिश के बीच मादक पदार्थों के तस्कर म्यांमा से तस्करी के वास्ते मिजोरम को नया मार्ग बनाने की कोशिश कर रहे हैं। पुलिस महानिदेशक अनिल शुक्ला ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''मादक पदार्थों की तस्करी और तस्करों के खिलाफ हमारी कार्रवाई जारी है और मिजोरम पुलिस कड़ी कार्रवाई कर रही है।'' उन्होंने कहा कि मादक पदार्थ की तस्करी मिजोरम के लिए चिंता की वजह बनी हुई है जहां इस साल विधानसभा चुनाव होने हैं। शुक्ला ने कहा कि कानून व्यवस्था सुधारने के साथ-साथ सुचारू एवं शांतिपूर्ण विधानसभा चुनाव सुनिश्चित करने के लिए पुलिस मादक पदार्थों की समस्या का मुकाबला करने की हरसंभव कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि कार्रवाई के फलस्वरूप भारी मात्रा में मादक पदार्थ बरामद किए गए हैं। अधिकारियों के अनुसार चार अक्टूबर को आइजोल जिले की विशेष शाखा की टीम ने जेम्बावक पूर्व में एक वाहन को पकड़ा तथा एक म्यांमा निवासी से 34 करोड़ रु. मूल्य का 11.6 किलोग्राम मेथमफेटामाइन (एक प्रकार का मादक पदार्थ) जब्त किया।

राम मंदिर प्रतिष्ठा समारोह से पहले उप्र की पहली 'सोलर सिटी' बनने की राह पर अयोध्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या/भाषा। अयोध्या में अगले साल जनवरी में होने वाले राम मंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा समारोह से पहले शहर को उत्तर प्रदेश की पहली 'सोलर सिटी' के रूप में विकसित करने के लिए युद्ध स्तर पर काम जारी है। अधिकारियों ने कहा कि उप्र नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा विभाग (यूपीनेडा) ने राम नगरी को राज्य की पहली 'सोलर सिटी' के रूप में विकसित करने का काम शुरू कर दिया है।

राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने एक पखवाड़े पहले 'पीटीआई-भाषा' को बताया था कि आगामी 22 जनवरी को होने वाले 'प्राण प्रतिष्ठा' समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और देशभर से लगभग 10 हजार गणमान्य लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। अधिकारियों के मुताबिक, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व्यक्तिगत रूप से अयोध्या में जारी कार्यों की निगरानी कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने इसी साल मई में मंदिर शहर को सौर ऊर्जा से रोशन करने संबंधी कार्य का निरीक्षण करने के बाद कहा था, अयोध्या सूर्यवंश की राजधानी है। इसलिए यहां बिजली अन्य स्रोतों से नहीं, बल्कि सौर ऊर्जा से आएगी। इस परियोजना में सरयू के किनारे एक सौर पार्क विकसित करना, सौर ऊर्जा से चलने वाली नौकाएं प्रदान करना, सौर स्ट्रीट लाइट लगाना, सार्वजनिक परिवहन में सौर ऊर्जा स्रोतों को अपनाना, विद्युतीकरण के साथ-साथ सार्वजनिक स्थानों पर मोबाइल चार्जिंग प्वाइंट जैसी सौर ऊर्जा संचालित सुविधाएं प्रदान करना शामिल है। सरकारी भवन भी सौर ऊर्जा का इस्तेमाल कर रहे हैं और घरेलू उपयोग के लिए सौर ऊर्जा की पहुंच में सुधार कर रहे हैं। वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों ने कहा कि यह परियोजना उत्तर प्रदेश की महत्वाकांक्षी सौर ऊर्जा नीति-2022 का हिस्सा है।

योजना का एक महत्वपूर्ण पहलू 16 नगर निगमों और नोएडा को 'सोलर सिटी' के रूप में विकसित करना है। सौर ऊर्जा नीति के अनुसार, कोई भी शहर जहां बिजली की 10 प्रतिशत मांग नवीकरणीय ऊर्जा के जरिये पूरी की जाती है, उसे 'सोलर सिटी' माना जाएगा। यूपीनेडा के निदेशक अनुपम शुक्ला ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, अयोध्या को सौर शहर परियोजना के मॉडल के रूप में विकसित करने और अन्य प्रस्तावित शहरों में सौर नीतियों के कार्यान्वयन में सीख का उपयोग करने की योजना है।

पश्चिम बंगाल : मंत्री फिरहाद हकीम और टीएमसी विधायक मदन मित्रा के आवास पर सीबीआई के छापे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/ नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने पश्चिम बंगाल में नागरिक निकायों द्वारा की गई भर्तियों में कथित अनियमितताओं से जुड़ी जांच के सिलसिले में रविवार सुबह कोलकाता में राज्य सरकार में मंत्री फिरहाद हकीम और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के विधायक मदन मित्रा के आवास सहित 12 जगहों पर छापेमारी की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। शहरी विकास और नगरपालिका मामलों के मंत्री हकीम कोलकाता के महापौर भी हैं। वह तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हैं और पार्टी संगठन में अच्छा खासा प्रभाव रखते हैं। सीबीआई अधिकारियों की टीम केंद्रीय बलों की एक बड़ी टुकड़ी के साथ दक्षिण कोलकाता के चेतला इलाके में हकीम के आवास पर पहुंची। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, ''सीबीआई के दो अधिकारी हकीम से पूछताछ कर रहे हैं।''

सीबीआई टीम ने जैसे ही छापेमारी शुरू की, हकीम के समर्थक उनके आवास के बाहर जमा हो गए और विरोध-प्रदर्शन शुरू कर दिया। सीबीआई के एक दल ने पूर्व मंत्री और उत्तर 24 परगना जिले के कमरहाटी से विधायक मित्रा के भवानीपुर इलाके में स्थित आवास पर भी छापेमारी की। मित्रा का घर चेतला में हकीम के आवास से करीब तीन किलोमीटर दूर है। सीबीआई के एक प्रवक्ता ने बताया, 'सीबीआई ने एक मामले की जारी जांच के सिलसिले में आज (रविवार) कोलकाता, कांचरापाड़ा, बैरकपुर, हलिसहर, दमदम, उत्तरी दमदम, कृष्णानगर, ताकी, कमरहाटी, चेतला, भवानीपुर सहित करीब 12 जगहों पर छापेमारी की।

जदयू ने सभी तरह की हिंसा की निंदा की, कहा- इजराइल कब्जे वाले इलाके को खाली करे

नई दिल्ली/भाषा। जनता दल-यूनाइटेड (जदयू) ने रविवार को कहा कि वह सभी तरह की हिंसा की निंदा करता है। इस्लामी समूह हमास के आतंकवादियों द्वारा घुसपैठ कर सैकड़ों इजराइलियों की हत्या किए जाने के बाद इजराइल की ओर से गाजा में जवाबी कार्रवाई की जा रही है। जदयू ने कहा कि स्थिति के मद्देनजर संयुक्त राष्ट्र को हस्तक्षेप करना चाहिए।

पार्टी के प्रवक्ता के.सी. त्यागी ने कहा कि उनकी पार्टी फलस्तीन के ''उत्पीड़ित'' लोगों के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि इजराइल को संयुक्त राष्ट्र के पूर्व के प्रस्तावों का सम्मान करना चाहिए और फलस्तीन के कब्जे वाले इलाके को खाली करना चाहिए।

उन्होंने यहां जारी बयान में कहा, ''यह केवल फलस्तीनी लोगों की लड़ाई नहीं है। यह मानवता, न्याय और दुनिया के भविष्य के लिए संघर्ष है जो कानून द्वारा शासित हो, न कि क्रूर बल पर। हम फलस्तीन के उत्पीड़ित लोगों के साथ हैं।''

इजराइली सैनिकों ने रविवार को दक्षिणी इजराइल की सड़कों पर हमास लड़ाकों के साथ युद्ध शुरू किया और जवाबी कार्रवाई में गाजा की कई इमारतों को जमींदोज कर दिया। इस बीच, उत्तरी इजराइल में लेबनान के हिजबुल्ला चरमपंथी समूह ने संक्षिप्त हमले किए जिससे संघर्ष के विकराल होने की आशंका पैदा हो गई है।

तृणमूल कांग्रेस का राजभवन के समक्ष अनिश्चितकालीन प्रदर्शन चौथे दिन भी जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। तृणमूल कांग्रेस महासचिव अभिषेक बनर्जी के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं का राजभवन के समक्ष प्रदर्शन रविवार को लगातार चौथे दिन भी जारी रहा। तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने जोर देकर कहा कि उनका प्रदर्शन तब तक जारी रहेगा जबतक राज्यपाल सी.वी.आनंद बोस प्रदर्शन स्थल पर आकर उनसे नहीं मिलते हैं। तृणमूल कांग्रेस के तीन सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को दार्जीलिंग में राज्यपाल से मुलाकात की थी और उनसे मनरेगा योजना के तहत राज्य की बकाया राशि के भुगतान का मुद्दा केंद्र के समक्ष उठाने का आह्वान किया।

उन्होंने राज्यपाल से राजभवन के समक्ष प्रदर्शन कर रहे प्रदर्शनकारियों से भी मुलाकात करने का अनुरोध किया।

बनर्जी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट किया, ''हमारे धरना का तीसरा दिन दो नैतिक जीत के साथ संपन्न हुआ। जमीनदार दिल्ली का एकांतवास छोड़कर कोलकाता आने को मजबूर हुए हैं, राज्यपाल अंतत: हमारे प्रतिनिधिमंडल से यथाशीघ्र मिलने के लिये सहमत हो गए हैं। मुझे भरोसा है कि बंगाल अपने लोगों की लड़ाई में जीत दर्ज करेगा।''

ओडिशा में ट्रक से टकरायी बस, नेपाल के 20 श्रद्धालुओं समेत 21 लोग घायल हुए

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के बालासोर जिले में रविवार को राष्ट्रीय राजमार्ग-16 पर एक ट्रक से एक बस के टकरा जाने पर नेपाल के कम से कम 20 श्रद्धालुओं समेत 21 लोग घायल हो गये। पुलिस ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि घायलों में एक उत्तर प्रदेश का भी व्यक्ति है। पुलिस ने बताया कि सोरो थानाक्षेत्र के तहत तालानगर के समीप 61 यात्रियों को लेकर जा रही एक बस राष्ट्रीय राजमार्ग पर खड़े एक ट्रक से जा टकराई। बस कोलकाता से पुरी जा रही थी, उसी दौरान यह दुर्घटना हुई।

बालासोर सदर उपसंभागीय पुलिस अधिकारी शशांक शेखर बेउरा ने बताया कि सुबह करीब पांच बजे पर्यटक बस एक ढाबा के समीप खड़े ट्रक से जा टकरायी, जिसपर क्रोम (अयस्क) लदा था। हादसे में बस सवार नेपाल के 20 श्रद्धालुओं समेत 21 लोग घायल हो गये। बेउरा ने बताया कि सभी घायलों को सोरो अस्पताल ले जाया गया तथा नेपाली तीर्थयात्रियों को इलाज के बाद छुट्टी दे दी गयी। उन्होंने बताया कि बस के चालक की हालत बिगड़ने के बाद उसे जिला मुख्यालय अस्पताल ले जाया गया।

भारतीय स्पिन तिकड़ी का कमाल, ऑस्ट्रेलिया 199 रन पर ढेर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। रविंद्र जडेजा की अगुवाई में स्पिन तिकड़ी के शानदार प्रदर्शन से भारत ने ऑस्ट्रेलिया को एक दिवसीय विश्व कप के मैच में रविवार को यहां 49.3 ओवर में 199 रन पर समेट दिया। ऑस्ट्रेलिया का कोई भी बल्लेबाज अर्धशतक नहीं जमा पाया। उसकी तरफ से स्टीव स्मिथ ने सर्वाधिक 46 रन बनाए। रविंद्र जडेजा (28 रन देकर तीन विकेट), कुलदीप यादव (42 रन देकर दो) और रविचंद्रन अश्विन (34 रन देकर एक) की स्पिन तिकड़ी ने 30 ओवर में 104 रन देकर छह विकेट लिये।

भारत के तेज गेंदबाजों ने भी अपना कमाल दिखाया। जसप्रीत बुमराह ने 35 रन देकर दो विकेट लिए जबकि मोहम्मद सिराज और हार्दिक पंड्या ने एक-एक विकेट हासिल किया। चेन्नई की गर्म और उमस भरी परिस्थितियों में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया लेकिन बुमराह ने अपने दूसरे ओवर में ही मिचेल मार्श (00) को आउट करके भारत को अच्छी शुरुआत दिलाई। विराट कोहली ने स्लिप में अपने बायीं तरफ डाइव लगाकर उनका कैच लिया। कोहली इस तरह से भारत की तरफ से विश्व कप में सर्वाधिक कैच लेने वाले क्षेत्ररक्षक बन गए। उन्होंने अनिल कुंबले (14 कैच) का रिकॉर्ड तोड़ा। इसके बाद डेविड वार्नर (52 गेंद पर 41 रन, छह चौके) और स्मिथ (71 गेंद पर 46 रन, पांच चौके) ने पारी संवारने का बीड़ा उठाया और दूसरे विकेट के लिए 69 रन जोड़े। भारतीय गेंदबाजों ने हालांकि इन दोनों को अच्छी शुरुआत का फायदा नहीं उठाने दिया। भारत के तीनों स्पिनरों ने चेपॉक की मददगार पिच पर ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों को परेशान किया। वार्नर ने कुलदीप को उनकी गेंद पर ही कैच का अभ्यास कराया। इसके बाद जडेजा का जादू चला। उन्होंने स्मिथ की एकाग्रता भंग करके उनकी गिल्लियां बिखेरी और फिर तीन गेंद के अंदर मार्नस लाबुशेन (41 गेंद पर 27 रन) और एलेक्स कैरी (00) को पवेलियन भेजकर ऑस्ट्रेलिया को बुरी तरह झकझोर दिया।

क्षमता विकास अंडमान की समुद्री सुरक्षा की कुंजी है: बालाकृष्णन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पोर्ट ब्लेयर/भाषा। वायुसेना के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि अंडमान और निकोबार द्वीप समूह की समुद्री सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए केवल गश्त करना पर्याप्त नहीं है और क्षेत्र में 'अदृश्य दुश्मनों' से निपटने के वास्ते हरसंभव क्षमता विकसित करना आवश्यक है।

अंडमान और निकोबार कमान के कमांडर-इन-चीफ (सीआईएनसीएएन) एयर मार्शल साजू बालाकृष्णन ने कहा कि द्वीपसमूह में समुद्री सुरक्षा का भविष्य इस बात पर निर्भर करेगा कि भारत इस क्षेत्र में अपनी क्षमता कैसे बढ़ाता है। उन्होंने यहां अपने कमान कार्यालय में 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''जहां तक भारत की सुरक्षा का सवाल है तो अंडमान निकोबार अब एक सामरिक केंद्र बन गया है। हम यहां समग्र सामरिक परिदृश्य में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका को स्पष्ट रूप से समझते हैं। हर दिन, कई अंतरराष्ट्रीय जहाज इस क्षेत्र से गुजरते हैं और हमारी सरकार इस बात से अच्छी तरह परिचित है कि हमें अपनी क्षमता बढ़ाने की जरूरत है।''

उन्होंने कहा, ''इस दिशा में, हमें भारत सरकार से आश्वासन मिला है कि धन की कोई कमी नहीं है। यह केवल क्षमता निर्माण की बात है; इसलिए हम संपूर्ण क्षमता विकास पर विचार कर रहे हैं, जिसमें सैन्य बुनियादी ढांचे और घरेलू आवास से लेकर भविष्य का आवश्यक बुनियादी ढांचा शामिल है।''

समुद्री सुरक्षा के बारे में बालाकृष्णन ने कहा कि पूर्वी और उत्तरी सीमाओं के विपरीत, जहां दुश्मन ज्ञात हैं, हिंद महासागर (इस क्षेत्र) में ''अदृश्य दुश्मन'' हैं।

बालाकृष्णन ने कहा, ''जब मैं अदृश्य शत्रुओं के बारे में बात करता हूं, तो मेरा मतलब है कि पारंपरिक क्षेत्र में, हम विरोधियों के बारे में जानते हैं। यहां तक कि जब हम पूर्वी और उत्तरी सीमाओं के बारे में बात करते हैं, तो हम जानते हैं कि ये विरोधी हैं और उनके द्वारा की जाने वाली गतिविधियां आपको स्पष्ट रूप से पता हैं। यह पूरी तरह से दृष्टिगोचर है।'' उन्होंने कहा कि भारत के विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र का लगभग 30 प्रतिशत भाग इस व्यापक क्षेत्र में आता है।

भाजपा शासित राज्य क्यों नहीं करा रहे जाति आधारित गणना: कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने जाति आधारित गणना के मुद्दे पर रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की चुप्पी पर निशाना साधा और सवाल किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित राज्य सामाजिक न्याय और अधिकारों को सुनिश्चित करने के लिए इसे क्यों नहीं करा रहे हैं।

राजस्थान की कांग्रेस नीत सरकार द्वारा जाति आधारित गणना कराने के लिए एक सरकारी आदेश जारी किये जाने के एक दिन बाद पार्टी की यह टिप्पणी आई है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि जब 'भारत जोड़ो यात्रा' राजस्थान में थी, तब पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी नेता ने कई समुदायों के प्रतिनिधियों से मुलाकात की थी और उसी वक्त अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के प्रतिनिधि मंडलों ने जाति आधारित गणना कराने की मांग की थी। रमेश ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा,''राहुल गांधी ने उनकी बातों को बहुत गंभीरता से लिया। उनकी भावनाओं के अनुरूप अब राजस्थान सरकार ने जाति आधारित गणना कराने का निर्णय किया है। यह स्वागत योग्य कदम है।'' कांग्रेस नेता ने कहा,''इससे विशेष रूप से अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए नीतियां बनाने में मदद मिलेगी। सामाजिक न्याय सुनिश्चित करना और लोगों को उनकी आबादी के अनुसार अधिकार देना भी बहुत महत्वपूर्ण है।''

रमेश ने कहा,''प्रश्न यह है कि किसी भी भाजपा शासित राज्य में ऐसा कोई कदम क्यों नहीं उठाया जा रहा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जाति आधारित गणना के मुद्दे पर चुप क्यों हैं।''

अब भारत को ओलंपिक की मेजबानी का दावा करना चाहिये : आईओए प्रमुख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हांगझोउ/भाषा। हांगझोउ एशियाई खेलों में रिकॉर्ड पदक जीतने से उत्साहित भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पी टी उषा ने 2036 ओलंपिक की मेजबानी के सरकार के प्रस्ताव का समर्थन किया ।

भारत ने रविवार को खत्म हुए एशियाई खेलों में 28 स्वर्ण समेत 107 पदक जीते । पिछली बार भारत ने 70 पदक जीते थे । उषा ने पीटीआई से कहा ,'' हांगझोउ एशियाई खेलों में रिकॉर्डतोड़ प्रदर्शन के बाद अगर हमारे देश के खिलाड़ी, कोच और राष्ट्रीय महासंघ कड़ी मेहनत करें तो हम पेरिस ओलंपिक में दोहरे अंक में पदक जीत सकते हैं ।'' उन्होंने कहा ,'' सरकार भारतीय खेलों और खिलाड़ियों की बेहतरी के लिये हरसंभव प्रयास कर रही है । हमारे प्रधानमंत्री देश के खेलों में काफी रूचि लेते हैं ।'' उषा ने कहा कि अब भारत को ओलंपिक की मेजबानी का दावा करना चाहिये । उन्होंने कहा ,'' हमें 2023 ओलंपिक की मेजबानी का दावा करना चाहिये । मुझे यकीन है कि भारत पेरिस ओलंपिक में तोक्यो से अधिक पदक जीतेगा । पदक जीतने के बाद हम ओलंपिक की मेजबानी का दावा कर सकते हैं ।'' सरकार 15 से 17 अक्टूबर तक मुंबई में होने वाले अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के सत्र के दौरान 2036 ओलंपिक की मेजबानी में रूचि जता सकती है ।

भारतीय हॉकी का गौरव लौटाने का समय, ओलंपिक स्वर्ण जीतने में सक्षम टीम : नवीन पटनायक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने कहा कि भारत ओलंपिक में फिर स्वर्ण पदक जीत सकता है क्योंकि इस टीम में प्रतिभा और जज्बा दोनों हैं तथा यह भारतीय हॉकी का गौरव लौटाने का समय है।

भारतीय हॉकी के संकटमोचक कहे जाने वाले पटनायक ने पीटीआई-भाषा को दिये एक साक्षात्कार में कहा, ''हॉकी हमारे डीएनए में है। समय आ गया है कि इसे और बढ़ावा दिया जाये। मैं जानता हूं कि बहुत से खेल देश में लोकप्रियता हासिल करने की होड़ में हैं लेकिन हॉकी का दर्जा खास है।'' हॉकी को लेकर पटनायक का प्रेम किसी से छिपा नहीं है। भारतीय हॉकी पर जब-जब संकट आया, वह मदद के लिये आगे आये हैं। तोक्यो ओलंपिक में 41 साल बाद कांस्य पदक जीतने वाली पुरुष हॉकी टीम ने जब हांगझोउ एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर पेरिस ओलंपिक के लिये क्वालीफाई किया तो पटनायक का जिक्र किया जाना जरूरी है जिन्हें भारतीय हॉकी की दशा और दिशा बदलने का श्रेय जाता है। पटनायक ने कहा, ''यह भारतीय टीम ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीत सकती है। हम इस सपने को हकीकत में बदलने के लिये हॉकी इंडिया की पूरी मदद करेंगे।''

दून स्कूल में पढ़ाई के दौरान बतौर गोलकीपर हॉकी खेलने वाले पटनायक भुवनेश्वर या राउरकेला में भारतीय टीम के मैचों के दौरान दर्शक दीर्घा में नजर आते हैं और बाहर मैच होने पर टीवी पर देखकर टीम का हौसला बढ़ाते हैं। भारतीय पुरुष और हॉकी टीम के आधिकारिक प्रायोजक सहारा ने जब 2018 में हाथ खींच लिये थे तब ओडिशा सरकार ने भारतीय हॉकी का दामन थामा था। अब उन्होंने प्रायोजन 2033 तक बढ़ाने का फैसला लिया है। हॉकी से अपने प्रेम के बारे में पटनायक ने कहा, ''मैंने अपने पिता बीजू पटनायक से सीखा कि स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान कैसे राष्ट्र निर्माण में हॉकी की अहम भूमिका रही। खेल से मेरे प्रेम की शुरुआत वहीं से हुई। मैं स्कूल में बतौर गोलकीपर खेलता था।''

सुविचार

अंदाजे से न नापिये किसी इंसान की हस्ती, ठहरे हुए दरिया अक्सर गहरे हुआ करते हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

क्या करेगा इजराइल?

हमास के चरमपंथियों द्वारा इजराइल पर अचानक किए गए हमले में अनेक नागरिकों की मौत होना दु:खद है। हमास और इजराइल के बीच टकराव कोई नई बात नहीं है, लेकिन बड़ा सवाल यह है कि इजराइली खुफिया एजेंसी मोसाद को इसकी भनक तक कैसे नहीं लगी? उसका नाम दुनिया की उन खुफिया एजेंसियों में शुमार किया जाता है, जो सूचनाएं जुटाने में खास महारत रखती हैं। इसके बावजूद हमास के चरमपंथी गाजा पट्टी पर एक सीमा बाड़ को धमाकों से उड़ाने में कामयाब रहे। उन्होंने लगभग 22 जगहों से घुसकर हमला बोला! वे कई इलाकों में घूमते रहे और आम नागरिकों को मौत के घाट उतारते रहे। इस अप्रत्याशित हमले के जवाब में इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का जो बयान आया, उससे स्पष्ट है कि इस टकराव के परिणाम बहुत भयानक होंगे। इजराइल की जवाबी कार्रवाई में फलस्तीन के सैकड़ों लोगों की मौत हो गई है। हर नई रिपोर्ट के साथ यह आंकड़ा बढ़ता जा रहा है। आश्चर्य की बात है कि हमास ने दो कस्बों में लोगों को बंधक बना लिया, वहीं एक और कस्बे में पुलिस थाने पर कब्जा कर लिया! इजराइल की जनता भी यह सवाल उठा रही है कि इतनी चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद चरमपंथी कैसे घुस गए? क्या इजराइल में लंबे समय से चला आ रहा सियासी टकराव इस देश को ऐसे मोड़ पर ले आया है, जहां सुरक्षा तंत्र की खामियों का फायदा उठाकर चरमपंथी धावा बोल रहे हैं? ऐसे में नेतन्याहू पर अपनी जनता का काफी दबाव है। उनके बयान – 'हमास ऐसी कीमत चुकाएगा, जिसके बारे में उसने कभी सोचा भी नहीं होगा', के गहरे निहितार्थ हैं।

अब इजराइल यहीं तक नहीं रुकेगा। उसने पहले ही दिन गाजा पट्टी में बमबारी कर तबाही मचा दी। इजराइल इससे कहीं आगे जाने की क्षमता रखता है, जिसका वह पूरा उपयोग करेगा। उसे अमेरिका की हिमायत हासिल है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने जो कहा, उससे संकेत मिलता है कि इजराइली कार्रवाई और घातक हो सकती है – 'आतंकवादी हमलों के मद्देनजर इजराइल को अपनी और अपने लोगों की रक्षा करने का अधिकार है। यह इजराइल के किसी भी शत्रु के लिए इन हमलों का फायदा उठाने का वक्त नहीं है। दुनिया देख रही है।' इस घटना के बाद दोनों ओर से भयावह तस्वीरें आ रही हैं। इजराइली सैनिकों, आम नागरिकों के शवों के दृश्य रोंगटे खड़े करने वाले हैं। वहीं, इजराइल ने गाजा पट्टी में जिस तरह कहर बरपाया, उसमें चरमपंथियों के अलावा आम नागरिकों की भी जानें गई हैं। बमबारी से कई घर मलबे के ढेर में तब्दील हो गए। नेतन्याहू ने अपने टेलीविज़न संबोधन में इसे 'ऑपरेशन' या 'चरण' के बजाय 'युद्ध' करार दिया है। उनके आदेश के बाद हमला भी युद्ध के स्तर जैसा ही था। यूं तो हमास और इजराइल के बीच टकराव की छोटी-मोटी घटनाएं होती रहती हैं, जिन पर प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से बयान जारी नहीं किया जाता, लेकिन इस बार न केवल प्रधानमंत्री का बयान आया, बल्कि उन्होंने देशवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि सुरक्षा प्रतिष्ठान के प्रमुखों को बुलाकर सबसे पहले उन इलाकों को साफ़ करने का आदेश दे दिया, जिनमें चरमपंथियों ने घुसपैठ कर ली थी। उन्होंने बड़े पैमाने पर हथियारों का भंडार जुटाने का आदेश दिया और शत्रु को अभूतपूर्व कीमत चुकाने की चेतावनी दे दी। लिहाजा यह कहा जा सकता है कि कुछ दिनों से (तुलनात्मक रूप से) 'शांत' रहे इस इलाके में अब एक बड़ी जंग भड़कने का खतरा है। इसमें सैन्य बल की दृष्टि से इजराइल का पलड़ा भारी नजर आ रहा है, लेकिन फलस्तीन की ओर से उस पर जिस तरह हजारों की तादाद में रॉकेट दागे गए, उससे पता चलता है कि इजराइली सुरक्षा प्रणाली में कई खामियां रही हैं। नेतन्याहू भले ही यह कहें कि 'हम युद्ध में हैं और इसे जीतेंगे', लेकिन उन्हें अपने नागरिकों की सुरक्षा को और मजबूत बनाना होगा। हमास के चरमपंथी जिस तरह घुसपैठ करने में सफल हुए, उससे इस आशंका को बल मिलता है कि इन ठिकानों की सूचना पहले ही उन तक पहुंच गई थी। लिहाजा इजराइल के सामने अपने खुफिया तंत्र को अभेद्य व मजबूत बनाने की भी चुनौती है।

ट्वीटर टॉक

राजस्थान पुलिस के जांबाज देवेंद्र सिंह गड़ी ने नाचना में बाजार में लगी आग के दौरान अपनी जान की परवाह नहीं करते हुए व्यापारियों के कीमती सामान को बचाने में जो साहसिक कार्य दिखाया है वह वाकई सराहनीय है। मैं आपके जज्बे और साहस को सलाम करता हूं।

-राजेन्द्र राठौड़

देश की रक्षा के प्रति प्रतिबद्ध और समर्पित जांबाज नभ प्रहरियों का भारतीय वायु सेना दिवस पर हार्दिक अभिनन्दन। वायु सेना के साहस, पराक्रम और शौर्य की गाथाएं हमें गर्व और गौरव की अनुभूति करवाती हैं। उनकी देशभक्ति का प्रत्येक भारतीय वंदन करता है।

-ओम बिरला

सम्पूर्ण क्रांति के पुरोधा 'लोकनायक' जयप्रकाश नारायण जी समाज के लिए त्याग एवं बलिदान की प्रतिमूर्ति थे। भारत में लोकतंत्र की हत्या करने वाले अन्यायी शासन के विरुद्ध जब जेपी जी ने हुंकार भरी तो ऐसा जनसमर्थन मिला कि सत्तारूढ़ सिंहासन को पलट दिया।

-वसुंधरा राजे

प्रेरक प्रसंग

बेशकीमती अहसास

वीजबर्ग जर्मनी का एक शहर है, जहां एक किले के ऊपर एक पुरानी मीनार है, जिसका नाम 'महिलाओं का विश्वास' (द फेथ ऑफ वीमेन) है। कहा जाता है कि जब सम्राट कोनार्ड द्वितीय ने इस किले को जीत लिया, तो किले की सेना ने उसके सामने इस शर्त पर समर्पण किया कि किले में रहने वाली महिलाओं को अपनी सबसे प्रिय चीजों को ढोकर ले जाने की अनुमति होगी। सम्राट को उम्मीद थी कि वे अपने साथ अपने गहने और अन्य ऐसी चीजें ले जाएंगी। किंतु तब उसके आश्चर्य का ठिकाना न रहा, जब उसने किले से उनके निकलने का इंतजार करते हुए यह देखा कि उनमें से प्रत्येक के कंधे पर कोई दूसरी ही चीज थी। वे अपने कंधे पर अपने पति, बेटा, बेटी, भाई अथवा प्रेमी को ढोकर ला रही थीं। प्राय: यह समझा जाता है कि महिलाओं को गहने और अन्य बेशकीमती चीजें प्रिय होती हैं। किंतु आपातस्थिति में उनके लिए अपने पति और बच्चों से बढ़कर प्रिय दूसरी कोई चीज नहीं होती। एक-दूसरे के प्रति प्रेम और स्नेह का कभी कोई माप नहीं हो सकता और इसे किसी संकट की घड़ी में ही समझा जा सकता है।

सामयिक

पूर्वजों को श्रद्धांजलि देना ही श्राद्ध है

रमेश सर्राफ धमोरा

9414255034

हिन्दू धर्म में माता-पिता की सेवा को सबसे बड़ी पूजा माना गया है। इसलिए हिंदू धर्म शास्त्रों में पितरों का उद्धार करने के लिए पुत्र की अनिवार्यता मानी गई हैं। जन्मदाता माता-पिता को मृत्यु-उपरान्त लोग विस्मृत न कर दें। इसलिए उनका श्राद्ध करने का विशेष विधान बताया गया है। श्रद्धया इदं श्राद्धम, अर्थात जो श्रद्धा से किया जाये वही श्राद्ध है। श्राद्ध प्रथा वैदिक काल के बाद शुरू हुई और इसके मूल में इसी श्लोक की भावना है। उचित समय पर शास्त्र सम्मत विधि द्वारा पितरों के लिए श्रद्धा भाव से मन्त्रों के साथ जो दान-दक्षिणा आदि दिया जाय वही श्राद्ध कहलाता है। भाद्रपद मास की पूर्णिमा के दिन सूर्य के कन्या राशि में प्रवेश करने पर इस दिन इसे कनायत भी कहते हैं और इसी दिन से पितृ पक्ष शुरू होता है।

श्राद्ध हिन्दू धर्म में किया जाने वाला एक कर्म है। जो पितरों के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता अभिव्यक्त करने तथा उन्हें याद करने के निमित्त किया जाता है। इसके पीछे मान्यता है कि जिन पूर्वजों के कारण हम आज अस्तित्व में हैं। जिनसे गुण हमें विरासत में मिले हैं। उनका हम पर न चुकाये जा सकने वाला ऋण हैं। पितरों की आत्मा की शांति के लिए पितृ पक्ष में जो तर्पण किया जाता है। उसके पीछे धार्मिक मान्यता है कि इससे पितरों को स्वर्ग प्राप्त होता है और उनकी आत्मा को शांति मिलती है। मंदिरों और नदियों के किनारे पितरों को तर्पण देने की सदियों से चली आ रही धार्मिक परम्परा आज भी अनवरत रूप से जारी है।

श्राद्ध सूक्ष्म शरीरों के लिए वही काम करते हैं, जो कि जन्म के पूर्व और जन्म के समय के संस्कार स्थूल शरीर के लिए करते हैं। इसलिए शास्त्र पूर्व जन्म के आधार पर ही कर्मकाण्ड में श्राद्धादि कर्म का विधान निर्मित करते हैं। सभी संस्कारों विवाह को छोडकर श्राद्ध ही ऐसा धार्मिक कृत्य है, जिसे लोग पर्याप्त धार्मिक उत्साह से करते हैं। विवाह में बहुत से लोग कुछ विधियों को छोड़ भी देते हैं। परन्तु श्राद्ध कर्म में नियमों की अनदेखी नहीं की जाती है। क्योंकि श्राद्ध का मुख्य उद्देश्य परलोक की यात्रा की सुविधा करना है।

भाद्रपद मास की पूर्णिमा से पितृ पक्ष शुरू होकर करीब 16 दिनों तक चलने वाले श्राद्ध में अश्विन मास की अमावस्या तक पितृ पृथ्वी पर वास करेंगे। इन 16 दिनों तक पितरों को प्रसन्न करने के लिए उन्हे यज्ञ, जल से तर्पण दिया जाएगा। इस दौरान पितरों की आत्मा की शांति के लिए जगह-जगह पिंडदान, नारायण बलि, जल तर्पण आदि कर्मकांडों से उन्हें प्रसन्न करने की कोशिश की जाती है।

आश्विन कृष्ण प्रतिपदा से लेकर अमावस्या तक ब्रह्माण्ड की ऊर्जा तथा उस उर्जा के साथ पितृप्राण पृथ्वी पर व्याप्त रहता है। धार्मिक ग्रंथों में मृत्यु के बाद आत्मा की स्थिति का बड़ा सुन्दर और वैज्ञानिक विवेचन भी मिलता है। पुराणों के अनुसार पितृपक्ष में जो तर्पण किया जाता है उससे वह पितृप्राण स्वयं आप्यापित होता है। पुत्र या उसके नाम से उसका परिवार जौ तथा चावल का पिण्ड देता है। उसमें से अंश लेकर वह अम्भप्राण का ऋण चुका देता है। ठीक आश्विन कृष्ण प्रतिपदा से वह चक्र उध्वमुख होने लगता है। 15 दिन अपना-अपना भाग लेकर शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से पितर उसी ब्रह्मांडीय उर्जा के साथ वापस चले जाते हैं। इसलिए इसको पितृपक्ष कहते हैं और इसी पक्ष में श्राद्ध करने से पित्तरों को प्राप्त होता है।श्राद्ध का वैज्ञानिक पहलू भी है। वेदों में, दर्शन शास्त्रों में, उपनिषदों एवं पुराणों आदि में हमारे ऋषियों-मनीषियों ने इस विषय पर विस्तृत विचार किया है। श्रीमद्भागवत गीता में भी स्पष्ट रूप से बताया गया है कि जन्म लेने वाले की मृत्यु और मृत्यु को प्राप्त होने वाले का जन्म निश्चित है। यह प्रकृति का नियम है। शरीर नष्ट होता है मगर आत्मा कभी भी नष्ट नहीं होती है। वह पुनः जन्म लेती है और बार-बार जन्म लेती है। इस पुनः जन्म के आधार पर ही कर्मकाण्ड में श्राद्धदि कर्म का विधान निर्मित किया गया है।

पुराणों में इसके आयोजन को लेकर कई कथाएं हैं। जिसमें कर्ण के पुनर्जन्म की कथा काफी प्रचलित है। हिन्दू धर्म में सर्वमान्य श्री रामचरित में भी श्री राम के द्वारा राजा दशरथ और जटायु को गोदावरी नदी पर जलांजलि देने का उल्लेख है। भरत के द्वारा दशरथ हेतु दशगात्र विधान का उल्लेख भरत कीन्हि दशगात्र विधाना तुलसी रामायण में हुआ है । भारतीय धर्मग्रंथों के अनुसार मनुष्य पर तीन प्रकार के ऋण प्रमुख माने गए हैं- पितृ ऋण, देव ऋण तथा ऋषि ऋण। इनमें पितृ ऋण सर्वोपरि है। पितृ ऋण में पिता के अतिरिक्त माता तथा वे सब बुजुर्ग भी सम्मिलित हैं, जिन्होंने हमें अपना जीवन धारण करने तथा उसका विकास करने में सहयोग दिया। पितृपक्ष में हिन्दू लोग मन कर्म एवं वाणी से संयम का जीवन जीते हैं। पितरों को स्मरण करके जल चढ़ाते हैं। निर्धनों एवं ब्राह्मणों को दान देते हैं।

विष्णु पुराण के अनुसार दरिद्र व्यक्ति केवल मोटा अन्न, जंगली साग, फल और न्यूनतम दक्षिणा यदि वह भी ना हो तो सात या आठ तिल अंजलि में जल के साथ लेकर ब्राह्मण को देना चाहिए या किसी गाय को दिन भर घास खिला देनी चाहिए। अन्यथा हाथ उठाकर दिक्पालों और सूर्य से याचना करनी चाहिए कि हे प्रभु मैंने हाथ वायु में फैला दिये हैं, मेरे पितर मेरी भक्ति से संतुष्ट हों।

अपने पूर्वजों के निमित्त दी गई वस्तुएं सचमुच उन्हें प्राप्त होती हैं या नहीं, इस विषय में कुछ लोगों को संदेह है। हमारे पूर्वज अपने कर्मानुसार किस योनि में उत्पन्न हुए हैं। जब हमें इतना ही नहीं मालूम तो फिर उनके लिए दिए गए पदार्थ उन तक कैसे पहुंच सकते हैं? क्या एक ब्राह्मण को भोजन कराने से हमारे पूर्वजों का पेट भर सकता है? न जाने इस तरह के कितने ही सवाल लोगों के मन में उठते होंगे। वैसे इन प्रश्नों का सीधे-सीधे उत्तर देना सम्भव भी नहीं है। क्योंकि वैज्ञानिक मापदण्डों को इस सृष्टि की प्रत्येक विषयवस्तु पर लागू नहीं किया जा सकता। दुनिया में ऐसी कई बातें हैं। जिनका कोई प्रमाण न मिलते हुए भी उन पर विश्वास करना पड़ता है।

उल्लेखनीय है कि देश में श्राद्ध के लिए हरिद्वार, गंगासागर, जगन्नाथपुरी, कुरुक्षेत्र, चित्रकूट, पुष्कर, बद्रीनाथ सहित कई स्थानों को महत्वपूर्ण माना गया है। लेकिन गया का स्थान उसमें सर्वोपरि कहा गया है। गया में फल्गु नदी के किनारे श्राद्ध कर्म करना सबसे ज्यादा पुण्य प्रदान करने वाला माना जाता है। जो व्यक्ति गया में श्राद्ध करने जाता है उसको पूरे पितृ पक्ष वहीं रह कर श्राद्ध क्रिया पूरी करनी पड़ती है। गया में पिंडदान करने से सात पीढियों का उद्धार हो जाता है। गया जी को विश्व में पितरों की मुक्ति के लिए सर्वश्रेष्ठ तीर्थस्थल माना गया है। गया जी में पूरे साल पिंडदान किया जाता है।

शास्त्रों में पितरों के लिए पितृपक्ष के दौरान पिंडदान करने का अलग महत्व बताया गया है। मान्यता है कि गया जी में श्राद्ध कर्मकांड सृष्टि के रचना काल से शुरू है। वायुपुराण, अग्निपुराण तथा रूढ पुराण में गया तीर्थ का वर्णन है। भगवान ब्रह्मा ने पृथ्वी पर आकर फल्गु नदी में प्रेतशिला पर पिंडदान किया था। त्रेता युग में भी भगवान श्रीराम भी अपने पिता राजा दशरथ के मरणोपरांत फल्गु नदी के तट पर श्राद्ध, तर्पण, पिंडदान, कर्मकांड को कर पितृऋण से मुक्त हुए थे।

रोचक

183 वर्ष पूर्व जारी हुआ था पहला डाक टिकट

योगेश कुमार गोयल

मोबाइल : 9034304041.

विश्वभर में प्रतिवर्ष 9 अक्तूबर को 'विश्व डाक दिवस' मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य हमारे दैनिक जीवन में डाक के महत्व को दर्शाना तथा इसकी उपयोगिता साबित करना है। 9 अक्तूबर 1874 को स्विटजरलैंड की राजधानी बर्न में 22 देशों ने एक संधि पर हस्ताक्षर किए थे, जिसके बाद यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन' का गठन किया गया था। 1 जुलाई 1876 को भारत यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन का सदस्य बना, जो इसकी सदस्यता लेने वाला पहला एशियाई देश था। 1874 में गठित हुई 'यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन' की याद में जापान के टोक्यो में 9 अक्तूबर 1969 को आयोजित विश्व डाक संघ के सम्मेलन में इसी दिन विश्व डाक दिवस' मनाए जाने की घोषणा की गई और तभी से प्रतिवर्ष 9 अक्तूबर को ही अंतर्राष्ट्रीय डाक सेवा दिवस मनाया जा रहा है। विश्व डाक दिवस का उद्देश्य ग्राहकों के बीच डाक विभाग के उत्पादों के बारे में जानकारी देना, उन्हें जागरूक करना और डाकघरों के बीच सामंजस्य स्थापित करना है।

भारत में पहली बार सन 1766 में ब्रिटिश शासनकाल में लॉर्ड क्लाइव द्वारा डाक व्यवस्था की शुरूआत की गई थी, जिसका विकास करते हुए 1774 में वारेन हेस्टिंग्स ने पहला डाकघर कोलकाता में स्थापित किया था। उसके बाद 1786 में चेन्नई और 1793 में मुम्बई में जनरल डाकघर स्थापित किए गए। जहां तक डाक टिकटों की शुरूआत की बात है तो देश में डाक टिकटों की शुरूआत ब्रिटिश शासनकाल में ही वर्ष 1852 में हुई थी लेकिन उस समय जारी किए गए टिकट केवल सिंध प्रांत में ही चल सकते थे। हालांकि विश्व में डाक टिकटों का इतिहास करीब 183 वर्ष पुराना है। डाक टिकटों की शुरूआत कब, क्यों और कैसे हुई, इसका भी दिलचस्प इतिहास है। डाक टिकटों की विधिवत शुरूआत 6 मई 1840 को हुई थी, जब एक पैनी मूल्य का विश्व का पहला डाक टिकट जारी किया गया था, जिसे 'ब्लैक पैनी' के नाम से जाना गया क्योंकि यह डाक टिकट काली स्याही से छापा गया था। इस डाक टिकट के अस्तित्व में आने से पूर्व डाक टिकटों के स्थान पर 'ठप्पा टिकटों' का प्रयोग होता था, जो आयताकार, गोलाकार, त्रिकोणाकार अथवा अंडाकार होते थे और इन ठप्पों पर 'पोस्ट पेड' अथवा 'पोस्ट नोन पेड' इत्यादि लिखा होता था। प्राचीन काल में डाक सेवा का उपयोग राजा-महाराजा अथवा शाही घरानों के लोग ही करते थे और उस वक्त पत्रों अथवा संदेशों को लाने-ले जाने का काम उनके विशेष संदेशवाहक या दूत अथवा कबूतर या अन्य पशु-पक्षी करते थे, जिन्हें बाकायदा इस काम के प्रशिक्षित किया जाता था लेकिन बाद में जब आम लोगों को भी इसकी जरूरत महसूस होने लगी तो तय किया गया कि पत्रों की आवाजाही के शुल्क का भुगतान या तो पत्र प्रेषक करेगा अथवा प्राप्तकर्ता से शुल्क लिया जाएगा लेकिन अक्सर होने यह लगा कि प्रेषक पत्रों को अग्रिम भुगतान किए बिना ही भेज देता और प्राप्तकर्ता उसे लेने के बजाय वापस लौटा देता और तब प्रेषक भी शुल्क के भुगतान से बचने के लिए उसे लेने से इन्कार कर देता। इससे सरकार को अनावश्यक आर्थिक क्षति झेलनी पड़ती थी। सरकार को डाक व्यवस्था की खामियों की वजह से लगातार हो रहे आर्थिक नुकसान के मद्देनजर ब्रिटिश सरकार को प्रसिद्ध आर्थिक सलाहकार रोलेण्ड हिल ने सलाह दी कि वह डाक व्यवस्था में मौजूद दोषों अथवा खामियों को दूर करने के लिए इसमें कुछ अनिवार्य संशोधन करे और डाक शुल्क के अग्रिम भुगतान के रूप में डाक टिकट तथा शुल्क अंकित लिफाफे जारी करे ताकि इनके जरिये अग्रिम डाक शुल्क प्राप्त हो जाने पर सरकार को घाटा न झेलना पड़े। अंततः ब्रिटिश सरकार ने काफी जद्दोजहद के बाद उनका सुझाव स्वीकार कर लिया और तब तक चले आ रहे ठप्पा टिकटों के बजाय डाक टिकटें जारी करने का फैसला कर लिया गया।

हेल्थ

शरीर से ज्यादा मन को स्वस्थ बनाना जरूरी

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

प्रतिवर्ष पूरी दुनिया में 10 अक्टूबर को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का उद्देश्य मानसिक स्वास्थ्य के प्रति लोगों में जागरूकता लाना है और समर्थन जुटाना है। मानव समुदाय को तनावरहित जीवन देकर अच्छा स्वास्थ्य और लंबी आयु प्राप्त करने में मदद करना भी इस दिन का ध्येय है। वैज्ञानिक प्रगति, औद्योगिक क्रांति, बढ़ती हुई आबादी, शहरीकरण, महंगाई, बेरोजगारी एवं आधुनिक जीवन के तनावपूर्ण वातावरण के कारण मानसिक रोगों में भारी वृद्धि हुई है। यह किसी एक राष्ट्र के लिये नहीं, समूचे विश्व के लिये चिन्ता का विषय हैं। आज जीवन का हर क्षेत्र समस्याओं से घिरा है, आपाधापी एवं घटनाबहुल जीवन के कारण तनाव एवं दबाव महसूस किया जा रहा है, चाहे वह काम हो, रिश्ते हों, जीवन से उम्मीदें हों। हर आदमी संदेह, अंतर्द्वन्द्व और मानसिक उथल-पुथल की जिन्दगी जीने को विवश है। इन जटिल से जटिलतर होते हालातों में अच्छे मानसिक स्वास्थ्य को बनाए रखना महत्वपूर्ण हो गया है। इस वर्ष की थीम है मानसिक स्वास्थ्य एक सार्वभौमिक मानव अधिकार है।' मनोविकार जब किसी शारीरिक व्याधि के रूप में प्रकट होते हैं, तब वे मनोकायिक रोग या 'सायकोसोमेटिक डिज़ीज' के रूप में पहचाने जाते हैं। आज सर्वत्र अपेक्षा की जा रही है कि स्वस्थ मानसिकता का निर्माण हो। मनुष्य के विचारों और व्यवहारों को बदला जाए।

हर व्यक्ति जितना शारीरिक बीमारियों से पीड़ित है, उससे ज्यादा वह मानसिक बीमारियों एवं विकारों से ग्रस्त है। शास्त्रों में कहा गया है – चिंता, चिता के समान है। प्रतिदिन के तनाव से उपजती और मौत के मुंह में ले जाती गंभीर बीमारियों को देखते हुए यह बात बिल्कुल सही साबित होती है। हर एक मिनट का हिसाब रखती, भागदौड़ भरी वर्तमान जीवनशैली में सबसे बड़ी और लगातार उभरती हुई समस्या है मानसिक तनाव। हर किसी के जीवन में स्थाई रूप से अपने पांव पसार चुका तनाव, व्यक्ति के मानसिक स्वास्थ्य को बुरी तरह से प्रभावित कर रहा है। निजी जिंदगी से शुरू होने वाला मानसिक तनाव पूरी दुनिया के लिए एक गंभीर समस्या बना है, जो अपने साथ कई तरह की अन्य समस्याओं को जन्म देने में सक्षम है। यही कारण है, कि इसे बचने के लिए और मानसिक शांति प्राप्त करने के लिए योग, ध्यान, अध्यात्म और कई तरह के अलग-अलग तरीकों को लोग अपने जीवन में उतार रहे हैं।

सर्वविदित है कि तनाव किसी भी समस्या का हल नहीं होता बल्कि कई अन्य समस्याओं का जन्मदाता होता है। उदाहरण के लिए तनाव इंसान को अत्यधिक सिरदर्द, माइग्रेन, उच्च या निम्न रक्तचाप, हृदय से जुड़ी समस्याओं से ग्रस्त करता है। दुनिया में सबसे अधिक हार्ट अटैक का प्रमुख कारण मानसिक तनाव होता है। यह आपका स्वभाव चिड़चिड़ा कर आपकी खुशी और मुस्कान को भी चुरा लेता है। इससे बचने के लिए तनाव पैदा करने वाले अनावश्यक कारणों को जीवन से दूर करना जरूरी ही नहीं, अनिवार्य हो गया है। जीवन में सुख, शांति और संतुष्टि के लिए मन की स्वस्थता भी उतनी ही जरूरी है, जितनी तन की स्वस्थता। वर्तमान में चिकित्सा विज्ञान की अनेक शाखाएं विकसित हुई हैं, उनमें एक है मानसिक स्वास्थ्य विज्ञान। इसके द्वारा व्यक्ति को मनोरोगों से बचाने का तथा स्वस्थ मानसिकता के निर्माण का प्रयास किया जाता है। स्वस्थ मन वाला व्यक्ति सदा आत्मतोष, पूर्णता एवं आनंद का अनुभव करता है। इससे व्यक्तित्व का संतुलित विकास होता है।

संतुलित व्यक्ति जीवन में आनेवाली बाधाओं/कठिनाइयों में भी समायोजन स्थापित कर सकता है। मानसिक स्वास्थ्य से हमारा तात्पर्य है मन की शांति, चित्त की प्रसन्नता। परिस्थितियों के साथ समायोजन कर चलने वाला व्यक्ति लक्ष्य तक पहुंच जाता है। असमायोजित व्यक्ति पग-पग पर असफल होता है। फिर निराशा, हताशा से आक्रान्त होकर कई प्रकार के मनोरोगों का शिकार हो जाता है। सद्विचारों से मानसिक प्रसन्नता का विकास होता है। उत्साह बढ़ता है। इससे न केवल व्यक्ति की चाल-ढाल में अंतर आता है, अपितु उसका व्यवहार भी गरिमामय बनता है।

अतः व्यक्तित्व विकास के लिए अपेक्षा है, मानसिक संतुलन और सकारात्मक सोच को निरंतर विकसित किया जाए। सलक्ष्य अभ्यास और प्रयोग के द्वारा इस दिशा में सफलता उपलब्ध हो सकती है। चूंकि पूरा विश्व मानसिक स्वास्थ्य को लेकर जागरूक हो रहा है, और तनाव से दूर रहने के लिए प्रयास कर रहा है, तो आप भी यह संकल्प लें, कि किसी भी समस्या में अत्यधिक तनाव नहीं लेंगे। क्योंकि यह कई तरह की शारीरिक समस्याओं को भी जन्म दे सकता है। तनाव समस्याओं को सुलझाने के बजाए और अधिक जटिल बनाता है, इसलिये बेहतर यही है कि उन्हें शांति से समझते हुए हल किया जाए। समस्या में मुस्कुराना क्यों भूला जाए? हंसते रहिए, मुस्कुराते रहिए और चिंता को दूर भगाते रहिए।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कनाडा में भारतीय छात्र नौकरी के अवसरों में कमी को लेकर चिंतित

टोरंटो/भाषा

कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो द्वारा भारत के खिलाफ लगाए गए आरोपों के बाद भारत-कनाडा संबंधों में जारी तनातनी के बीच यहां पढ़ाई कर रहे छात्रों को एक और डर सता रहा है और वह है नौकरियों के कम अवसर।

वैश्विक शिक्षा खोज मंच 'एरुडेरा' द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, 2022 में कुल 226,450 भारतीय छात्र उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए कनाडा आए थे, जिसके बाद पिछले साल उत्तरी अमेरिकाई देश आने वाले नए अंतरराष्ट्रीय छात्रों की सूची में भारत शीर्ष स्थान पर पहुंच गया था। आंकड़ों के मुताबिक, कनाडा में उच्च शिक्षा सहित सभी शिक्षा स्तरों में प्रवेश पाने वाले कुल अंतरराष्ट्रीय छात्रों की संख्या 807,750 थी। इनमें से 551,405 को पिछले साल कनाडा में शिक्षा परमिट प्राप्त हुआ था। 'एरुडेरा' के आंकड़ों के मुताबिक, कनाडा में 2022 में शिक्षा परमिट प्राप्त करने वालों में सबसे ज्यादा भारतीय थे, जिनकी संख्या 226,450 रही थी।

सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए नाम बदलकर छापने की शर्त पर हरविंदर ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, 'मुझे भारत-कनाडा तनाव को लेकर कोई खास चिंता नहीं है। मैं अपने भविष्य को लेकर ज्यादा चिंतित हूं। यहां नौकरियों की भारी कमी है और मुझे नहीं पता कि पढ़ाई पूरी होने के बाद मुझे काम मिलेगा भी या नहीं।'

ग्रेटर टोरंटो में रहने वाले ज्यादातर भारतीय छात्र हरविंदर की बात से इत्तेफाक रखते हैं। ग्रेटर टोरंटो इलाके में एक संस्थान में स्वास्थ्य सेवाओं की पढ़ाई कर रहे अन्य छात्र मयंक ने भी अपना दर्द बयां किया।

उन्होंने कहा कि दिल्ली और ओटावा के बीच जारी कूटनीतिक गतिरोध में उन्हें और उनके दोस्तों को किसी प्रकार की मुश्किल तो नहीं हुई लेकिन टोरंटो में पढ़ाई पूरी होने के बाद काम न मिलने के ख्याल ने उनकी रातों की नींद उड़ा रखी है।

उन्होंने कहा, 'मैं मेडिकल डिग्री वाले ऐसे कई भारतीय छात्रों को जानता हूं, जो उचित वेतन वाली नौकरियां पाने में विफल रहे औ आज अपने खर्चों को पूरा करने के लिए गाड़ियां चला रहे हैं, दुकानों और रेस्तरां पर काम कर रहे हैं। यह हमारे लिए एक बहुत ही चुनौतीपूर्ण स्थिति है।'

गरबा

सूरत में रविवार को प्री-नवरात्रि महोत्सव के जश्न के रूप में गरबा नृत्य करती महिलाएं।

फिल्म 'तेजस' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत की आने वाली फिल्म तेजस का ट्रेलर रिलीज हो गया है। फिल्म तेजस के ट्रेलर में कंगना एयरफोर्स पायलट तेजस गिल के रोल में नजर आ रही हैं।'तेजस' में कंगना रनौत धुआंधार एक्शन करती नजर आएंगी।'तेजस' को भारत की पहली एरियल एक्शन फिल्म बताया जा रहा है। ट्रेलर में दिखाया गया है कि एक भारतीय जासूस को पाकिस्तान ने पकड़ लिया है, तब कंगना रनौत उस मिशन में जाने के लिए आगे आती हैं, जिसके तहत भारतीय जासूस को छुड़ाने के ऑपरेशन की तैयारी की जाती है। लेकिन इस मिशन में कंगना रनौत यानी तेजस गिल के सामने एक बाद एक, कई रुकावटें आती हैं।

कंगना रनौत ने 'तेजस' का ट्रेलर सोशल मीडिया पर शेयर करते हुये लिखा,'अब आसमान से दुश्मन पर वार होगा। अब जंग का ऐलान होगा।' सर्वेश मेवारा के निर्देशन में बनी फिल्म 'तेजस' रॉनी स्क्रूवाला ने प्रोड्यूस किया है।यह फिल्म 27 अक्टूबर को रिलीज होगी।

भारतीय वायुसेना के विमानों ने संगम क्षेत्र में अपनी ताकत दिखाई

प्रयागराज/भाषा

भारतीय वायुसेना की 91वीं वर्षगांठ के मौके पर रविवार को यहां गंगा और यमुना के संगम क्षेत्र में वायुसेना के विमानों ने शानदार एयर शो का प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में लोग इस एयर शो को देखने के लिए कई किलोमीटर दूर से पैदल चलकर आए थे।

संगम क्षेत्र, परेड ग्राउंड, अरैल घाट पर नगर के कोने-कोने से आए लाखों लोगों ने इस एयर शो का आनंद उठाया, यहां तक कि गंगा नदी पर बने शास्त्री पुल और यमुना के नये पुल पर इस एयर शो को देखने के लिए लोगों का जमघट लगा रहा। वहीं सेना के अधिकारियों और उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से मंत्री नंद गोपाल गुप्ता ने यमुना के तट पर स्थित किले से इस एयर शो का आनंद लिया।

दोपहर ढाई बजे शुरू हुए इस एयर शो में भारतीय वायुसेना के करीब 108 विमानों ने हिस्सा लिया जिसमें भारतीय सेना का एएलएच ध्रुव हेलीकाप्टर और भारतीय नौसेना का पी-8आई विमान भी शामिल थे। भारत में पहली बार सी-295 परिवहन विमान ने भी इस एयर शो में हिस्सा लिया।

इस एयर शो में प्रमुख विमानों में चिनूक, जगुआर, अपाचे, राफेल, तेजस, सी-17, हॉक, टाइगरमोठ

और पिलाटस शामिल रहे।

इससे पूर्व, भारतीय वायुसेना की ओर से वायुसेना दिवस परेड का आयोजन किया गया जिसमें वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी, प्रमुख रक्षा अयक्ष जनरल अनिल चौहान, एयर मार्शल आरजीके कपूर और वायुसेना के अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

इस मौके पर वायुसेना प्रमुख ने भारतीय वायुसेना के नए ध्वज का अनावरण भी किया। यह वायुसेना दिवस की पहली परेड है जिसकी कमान एक महिला अधिकारी ग्रुप कैप्टन शालिजा धामी ने संभाली। साथ ही पहली बार इस परेड में महिलाओं की एक टुकड़ी थी जिसमें अग्निवीर वायु महिलाओं को शामिल किया गया और जिन्होंने पुरुष सैनिकों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर मार्च किया।

संगम क्षेत्र में एयर शो संपन्न होने के बाद एक साथ लाखों की भीड़ अपने घरों के लिए वापस निकलने से पुलिस को भारी चुनौतियों का सामना करना पड़ा।

इजराइल में हमास के हमले के बाद 12 नेपाली छात्र लापता

काठमांडू/भाषा

नेपाल के विदेश मंत्री एन. पी. सऊद ने रविवार को कहा कि दक्षिणी इजराइल में पढ़ाई कर रहे 12 नेपाली छात्र आतंकवादी समूह हमास के हमले के बाद से लापता हैं और उनके हताहत होने की आशंका है। गाजा पट्टी पर शासन करने वाले हमास ने शनिवार सुबह इजराइल के दक्षिण में हवा, भूमि और समुद्र से अचानक हमला कर दिया था।

इजराइल में सैनिकों समेत कम से कम 350 इजराइली मारे गए हैं और 1,900 से अधिक घायल हुए हैं। इसे बीते 50 साल में देश में हुआ सबसे भीषण हमला कहा जा रहा है। इजराइल के जवाबी हमले में गाजा पट्टी में लगभग 300 लोगों की मौत हुई है जबकि करीब 1,500 घायल हुए हैं। सऊद ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, 12 नेपाली छात्रों से संपर्क नहीं हो पाया है और उनके हताहत होने की आशंका है। विदेश मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार ''सीखो और कमाओ'' कार्यक्रम के तहत 17 नेपाली छात्र दक्षिणी इजराइल के कुबुज अलुमिम में रह रहे थे। उनमें से दो छात्र सुरक्षित निकलने में सफल रहे और तीन छात्र घायल हो गए।

विदेश मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि घायल नेपाली छात्रों का अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। फिलहाल 4,500 नेपाली इजराइल में काम कर रहे हैं वहीं 265 नेपाली छात्र ''सीखो और कमाओ'' योजना के तहत विभिन्न कृषि कंपनियों में काम कर रहे हैं।

विदेश मंत्रालय ने हमास आतंकवादी समूह द्वारा इजराइल में किए गए हमले की कड़ी निंदा की है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि नेपाल सरकार ने घटना को गंभीरता से लिया है। मंत्रालय के अनुसार, नेपाल सरकार ने विदेश मंत्री सऊद की अध्यक्षता में एक समिति गठित की है जिसका उद्देश्य इजराइल में मौजूद नेपाली नागरिकों को बचाना है।

सऊद ने रविवार को संसद को बताया, समिति लगातार स्थिति की निगरानी करेगी, नेपाली नागरिकों के सामने आने वाली स्थितियों का मूल्यांकन करेगी, बचाव कार्यों के संबंध में आवश्यक निर्णय लेगी और प्रभावी ढंग से समन्वय एवं सहयोग करेगी।

इजरायल से सुरक्षित लौटी नुसरत भरूचा

मुंबई/एजेन्सी

इजरायल और फिलिस्तीन के बीच चल रही जंग में फंसी बॉलीवुड एक्ट्रेस नुसरत भरूचा को लेकर लगातार अपडेट्स आ रहे हैं। दोनों देशों के बीच शनिवार से ही युद्ध जारी है। ऐसे में जबसे एक्ट्रेस को लेकर ये परेशान करने वाली खबर सामने आई है, उनके फैंस नुसरत के सही सलामत देश वापस लौटने की दुआएं मांग रहे हैं। भारत वापस आईं नुसरत भरूचा कुछ देर पहले खबर आई कि नुसरत भरूचा को एंबेसी ने ढूंढ निकाला है और वह इजरायल से भारत वापस आने के लिए रवाना हो चुकी हैं। वहीं अब नुसरत मुंबई एयरपोर्ट पर लैंड कर चुकी हैं। सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया है, जहां एक्ट्रेस एयरपोर्ट से बाहर निकलती हुई नजर आ रही हैं। इस वीडियो में नुसरत काफी हैरान-परेशान लग रही हैं। इस दौरान मीडिया से उन्होंने बात नहीं कि सिर्फ इतना कहा कि 'मैं अभी बहुत परेशान हूं मुझे घर पहुंचने दो।' बता दें कि एक्ट्रेस की फ्लाइट कनेक्टिंग थी। नुसरत वाया दुबई आई हैं। नुसरत वहां 'हाइफा इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल' में शामिल होने गई थीं। इस फिल्म फेस्टिवल में नुसरत भरूचा की फिल्म 'अकेली' दिखाई गई। लेकिन इसी बीच वहां जंग छिड़ गई और नुसरत वहां फंस गईं। इस बात की जानकारी नुसरत की टीम ने दी थी। दरअसल, नुसरत की टीम बीते दिन से उनसे बात करने की कोशिश कर रही थी, लेकिन नुसरत से उनका संपर्क टूट चुका था। ऐसे में उनकी टीम घबरा गईं। एक्ट्रेस की टीम का कहना है कि नुसरत से आखिरी बार कल दोपहर 12:30 बजे संपर्क हुआ था। उस वक्त वह बेसमेंट में थी और पूरी तरह से सुरक्षित थीं।

अच्छी कहानी पर आधारित फिल्म में काम करना चाहती हैं काजोल

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेत्री काजोल का कहना है कि वह ऐसी फिल्म में काम करना चाहती है जिसकी कहनी अच्छी हो। काजोल को फिल्म इंडस्ट्री में आये हुये तीन दशक हो गये हैं।

काजोल ने कहा, इंडस्ट्री ने काफी बदलाव आया है,जिसे हम आसानी से महसूस कर सकते हैं। मुझे एक अच्छी कहानी चाहिए बस। जब मैं कहानी सुनूं तो उस रोल में अपनी कल्पना कर पाऊं।मैं अच्छे दौर में काम कर रही हूं। मुझे दूसरों का पता नहीं, लेकिन मेरे पास ऐसे रोल आ रहे हैं, जो मेरे लिए ही लिखे गए हैं। वह रोल अच्छे भी हैं। काजोल ने कहा,जिनका साथ मुझे नहीं पसंद है, मैं उनके साथ काम नहीं करती हूं, क्योंकि मुझे लगता है की मेरा समय बर्बाद हो रहा है। जब मैं खुद खुश नहीं, तो मैं खुद को वैसी जगह क्यों रखूं, फिर चाहे कहानी कितनी भी अच्छी क्यों न हो। मैं अपनी पसंद के लोगों के साथ काम करती हूं।अच्छी कहानी में यदिएक सीन भी होगा तो कर लूंगी, लेकिन वह रोल ऐसा होना चाहिए कि मैं ना न कर सकूं। मैं मुख्य रोल में रहूं और रोल ही अच्छा न हो, तो क्या फायदा।

'टाइगर-3' का नया पोस्टर रिलीज

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान की आने वाली फिल्म 'टाइगर 3' का नया पोस्टर रिलीज हो गया है। यश राज फिल्म्स के बैनर तले बनी फिल्म टाइगर 3 का हाल ही में एक वीडियो टाइगर का मैसेज रिलीज किया गया था। अब 'टाइगर 3' का नया पोस्टर रिलीज हो गया है।

टाइगर 3 के नए पोस्टर में सलमान खान सुपरस्पाई लुक के साथ फुल एक्शन मोड में नजर आ रहे हैं। हाथ में मशीन गन लिए सलमान, दुश्मन पर हमला करने की तैयारी में दिख रहे हैं। पोस्टर के साथ कैप्शन में लिखा हुआहै, काउंटडाउन शुरू हो गया है। टाइगर 3 के ट्रेलर को बस 10 दिन बचे है। 16 अक्टूबर को ट्रेलर रिलीज हो रहा है। टाइगर 3 से पहले इस फ्रेंचाइजी के दो पार्ट एक था टाइगर (2012) और टाइगर जिंदा है (2017) रिलीज हो चुके हैं।फिल्म टाइगर 3 का निर्देशन मनीष शर्मा ने किया है। टाइगर 3 में सलमान खान, कैटरीना कैफ और इमरान हाशमी की मुख्य भूमिका है। टाइगर 3 इस साल दीवाली के मौके पर हिंदी, तेलुगु और तमिल में रिलीज होगी।

बारह साल बाद प्रदर्शित हो रही नंदिता रॉय की फिल्म 'रक्तबीज'

मुंबई/एजेन्सी

दमदार कंटेंट के लिए मशहूर विंडोज प्रोडक्शंस इस पूजा पर अपनी अब तक की सबसे बड़ी फिल्म ला रहा है। विंडोज़ और संजय अग्रवाल द्वारा प्रस्तुत, रक्तबीज, जैसा कि इसका शीर्षक है, एक बेहतरीन थ्रिलर है और प्रसिद्ध निर्देशक जोड़ी नंदिता रॉय और शिबोप्रसाद मुखर्जी द्वारा अपनी तरह की पहली फिल्म है। 2014 में बर्दवान विस्फोट से प्रेरित, जिसने बंगाल और पूरे देश को हिलाकर रख दिया था, यह फिल्म देश के राष्ट्रपति की अपने पैतृक गांव में वापसी के बारे में है, और कैसे उनके घर से कुछ किलोमीटर दूर एक पटाखा इकाई में आकस्मिक विस्फोट होता है। उसके जीवन के लिए एक बड़ा खतरा। आज विंडोज प्रोडक्शंस ने काफी धूमधाम के बीच फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया। पद्म भूषण प्राप्तकर्ता विक्टर बनर्जी, जो रोमन पोलांस्की, जेम्स आइवरी, सर डेविड लीन, जेरी लंदन, रोनाल्ड नीम, सत्यजीत रे, मृणाल सेन और श्याम बेनेगल के साथ काम करने के लिए जाने जाते हैं, फिल्म में मुख्य भूमिका निभा रहे हैं, जिसमें अनासुआ भी हैं। मजूमदार, अबीर चटर्जी, मिमी चक्रवर्ती, कंचन मल्लिक, अंबरीश भट्टाचार्य, सत्यम भट्टाचार्य, देबाशीष मंडल, देवलिना कुमार और अन्य। 2 अक्टूबर 2014 को, जो उस वर्ष महाअष्टमी के दिन था, बर्दवान के खागरागढ़ इलाके में एक दो मंजिला इमारत में विस्फोट हुआ। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचित किया, जो तुरंत कार्रवाई में जुट गई। जब पुलिस पहुंची, तो इमारत के अंदर दो महिलाओं ने उन्हें अंदर जाने से रोक दिया, इमारत को उड़ाने की धमकी दी और कई दस्तावेज और सबूत नष्ट कर दिए। उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया और पुलिस ने उस घर से 50 से अधिक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस बरामद किये।

दीदी (नंदिता रॉय) और मुझे पूजा पर अपनी फिल्म रिलीज करने के लिए 12 साल तक इंतजार करना पड़ा। वो अपने आप में हमारे लिए बहुत बड़ी घटना है। रक्तबीज पूजा में रिलीज होने वाली हमारी पहली निर्देशित फिल्म है और हम बेहद उत्साहित हैं। यह फिल्म दुर्गा पूजा की पृष्ठभूमि पर आधारित है और हमारे लिए, यहां तक कि शूटिंग भी एक तरह का उत्सव था। शिबोप्रसाद ने कहा, ''दीदी (नंदिता रॉय) और मैं और हमारी पूरी टीम, बड़े पर्दे पर रहस्य को उजागर करने के लिए इंतजार नहीं कर सकते।''

आईपीएस अधिकारी पंकज सिन्हा की भूमिका निभाने वाले अबीर चटर्जी ने कहा कि किरदार में ढलने के लिए उन्हें हर दिन शारीरिक प्रशिक्षण लेना पड़ता है। भले ही प्रोडक्शन हाउस के साथ यह मेरी तीसरी फिल्म है, निर्देशक नंदिता रॉय और शिबोप्रसाद मुखर्जी के साथ यह मेरी पहली फिल्म है। मेरा किरदार एक शीर्ष पुलिस वाले का है, जो मानसिक रूप से चुस्त और शारीरिक रूप से सक्रिय है। इसके अलावा, उसके पास चलाने के लिए एक बड़ी टीम है। और जब उन्हें दुर्गा पूजा के लिए इकट्ठा हुए नागरिकों और सबसे बढ़कर, देश के प्रथम नागरिक को बचाने का काम मिलता है, तो वे कोई कसर नहीं छोड़ते। त्रुटि की संभावना न्यूनतम होनी चाहिए और इस विचार के अनुरूप, मैंने बहुत अधिक शारीरिक प्रशिक्षण लिया, अन्यथा दृश्य इतने ठोस नहीं लगते। बेशक, स्टंट को क्यूरेट करने का बहुत सारा श्रेय एक्शन निर्देशक मनोहर वर्मा को जाता है। इस भूमिका के लिए मैं जो कुछ भी कर सकता था मैंने किया है।

संजय दत्त के साथ फिल्म जन्मस्थान में काम करेंगे सनी देओल

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेता सनी देओल फिल्म जन्मस्थान में संजय दत्त के साथ काम करते नजर आयेंगे। सनी देओल 'लाहौर 1947' पर काम शुरू करने से पहले फिल्म 'जन्मभूमि' की शूटिंग करेंगे।इस फिल्म में सनी के साथ संजय दत्त भी नजर आएंगे। इस फिल्म में सनी देओल और संजय दत्त 30 साल बाद साथ नजर आएंगे। दोनों इससे पहले क्रोध , योद्धा और क्षत्रिय जैसी फिल्मों में साथ काम कर चुके हैं।दोनों ने साथ में आखिरी बार वर्ष 1993 में प्रदर्शित फिल्म क्षत्रिय में काम किया था। फिल्म 'जन्मस्थान' कोर्ट-रूम ड्रामा है। इसका बैकड्राप राम जन्मभूमि मामले से जुड़ा हुआ है। सनी इसमें वकील के रोल में नजर आएंगे। फिल्म 'जन्मभूमि' के निर्देशक मनोज नौटियाल ने 'सनी फिल्म में वकील के रोल में हैं। इसमें उनके अपोजिट संजय दत्त नजर आएंगे। दोनों कोर्ट में एक-दूसरे से भिड़ते दिखेंगे। हमने फिल्म की स्क्रिप्ट पर काफी काम किया है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | सोमवार | 09-10-2023 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अक्कीपेट के तत्वावधान में स्थानक में विराजित साध्वी डॉ प्रतिभाश्रीजी, मल्लीप्रभाश्रीजी, ऋषिताश्रीजी, अनुज्ञाश्रीजी, सर्वज्ञाश्रीजी, प्रियांगीश्रीजी की निश्रा में उपाध्याय गुरुदेवश्री पुष्करमुनिजी म. सा. की जयंती के उपलक्ष्य में अष्टदिवसीय कार्यक्रम के आखिरी दिन रविवार को गोड़वाड़ भवन में 114 वां जन्म महामहोत्सव सह गुणगान दिवस मनाया गया।

मानव सेवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के तेरापंथ युवक परिषद् राजराजेश्वरी नगर के सदस्यों ने केंगेरी स्थित गुरुकुल विद्यापीठ में नवीन, रजत, संदीप बैद परिवार के सौजन्य से निराश्रित बच्चों को नाश्ता कराया गया। परिषद के अध्यक्ष विकाश छाजेड़, नवीन बैद, सेवा कार्य प्रभारी हितेश बोथरा, सहप्रभारी हिमांशु बोथरा, संदीप बैद, सौरभ दुगड़, प्रभारी हितेश बोथरा ने मानवसेवा की।

समता की प्रतिमूर्ति व स्वाध्याय प्रेमी थे गुरुदेव पुष्करमुनि : साध्वी डॉ प्रतिभाश्री

पुष्करमुनि जयंती के मौके पर गुरु भक्तों ने किया गुरु गुणगान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अक्कीपेट के तत्वावधान में स्थानक में विराजित साध्वी डॉ प्रतिभाश्रीजी, मल्लीप्रभाश्रीजी, ऋषिताश्रीजी, अनुज्ञाश्रीजी, सर्वज्ञाश्रीजी, प्रियांगीश्रीजी की निश्रा में उपाध्याय गुरुदेवश्री पुष्करमुनिजी म. सा. की जयंती के उपलक्ष्य में अष्टदिवसीय कार्यक्रम के आखिरी दिन रविवार को गोड़वाड़ भवन में 114 वां जन्म महामहोत्सव सह गुणगान दिवस मनाया गया। इस मौके पर साध्वी मणिप्रभाजी, साध्वी विजयलताजी की शिष्या साध्वी प्रज्ञाजी, प्रतिभाश्रीजी प्राची, साध्वी सिद्धिश्रीजी आदि साध्वियों की उपस्थिति रही। समारोह में साध्वी डॉ. प्रतिभाश्रीजी ने कहा कि गुरुदेव का जीवन सूर्य की तरह प्रकाशित था। उनका जीवन चंद्र की तरह शीतल, शेर की तरह निर्भीक, गजराज की तरह मस्त थे। गुरुदेव को नवकार जाप प्रिय थे। नवकार मंत्र आराधक थे। गुरुदेव का मांगलिक बड़ा ही चमत्कारिक था। गुरुदेव समता की प्रतिमूर्ति, स्वाध्याय प्रेमी थे। सरलता उनके जीवन का अंग था। गुरु की सूरत भक्त के मन को भाती थी। गुरुदेव के चरणों में जो रोते-रोते आता था वह हंसते-हंसते जाता था। मैं सौभाग्यशाली हूं कि मुझे गुरुदेव के मुखारविंद से दीक्षा मंत्र प्राप्त हुआ।

साध्वी ऋषिताश्रीजी ने कहा कि जैसे जीने के लिए ऑक्सीजन की जरूरत है, कमाई करने के लिए मेहनत जरुरी है। वैसे ही आत्मा के उत्थान के लिए सच्चे गुरुदेव की जरूरत है। गुरु जीवन को पावन बनाते हैं। शुष्क धरती को सरसज बनाते हैं। गुरु सन्मार्ग दिखाते हैं। जो संसार से मुक्ति पाने का रास्ता बताते हैं वो ही गुरु है। साध्वी अनुज्ञाश्रीजी ने गीतिका द्वारा गुरुदेव के चरणों में भाव प्रकट किये। साध्वी ऋषिताश्रीजी ने मंच संचालन किया। साध्वी मणिप्रभाजी, साध्वी प्रज्ञाजी, साध्वी प्रतिभाश्रीजी प्राची, साध्वी सिद्धिश्रीजी आदि साध्वियों ने गुरुदेव पुष्करमुनिजी के संस्मरण एवं गुरु की महिमा का वर्णन किया। इस मौके पर बेंगलूरु सहित बाहर से आए गुरु भक्तों ने गुरु के प्रति श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए उनके गुणों को याद दिया। समारोह में सिकंदराबाद, हुब्बल्ली, कोयंबटूर, गंगावती, बल्लारी, टिपटूर, तिरुपुर, हैदराबाद, सेलम, केजीएफ, बेंगलूरु के राजाजीनगर संघ, यशवंतपुर संघ गणेशबाग संघ, विजयनगर संघ, सीकेसी गार्डन संघ, मंजूनाथनगर संघ आदि से बड़ी संख्या में गुरुभक्त उपस्थित हुए। कार्यक्रम में अक्कीपेट जैन संघ के अध्यक्ष नेमीचन्द सालेचा ने सभी गुरुभक्तों का स्वागत किया। चेयरमैन माणकचन्द बडेरा ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। चंदनबाला महिला मंडल, सत्य बहू मंडल, प्रतिभा बालिका मंडल, नवयुवक मंडल, आदि अनेक मंडलों ने गीत, नृत्य व नाटिका की प्रस्तुति दी। संपूर्ण चातुर्मास की भोजन व्यवस्था के मुख्य लाभार्थी मदनलाल, प्रकाशचंद, माणकचंद, अशोककुमार, आनंदकुमार बडेरा परिवार है। वर्धमान स्थानकवासी जैन नवयुवक मंडल अक्कीपेट के सदस्यों ने व्यवस्थाओं का संचालन किया। सहमंत्री विनोद भूरट ने संघ की सूचनाएं प्रदान की।

सद्विचार, सहिष्णुता, सदाचार और उदारता है उन्नति के द्वार : आचार्य महेन्द्रसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राणेबेन्नूरु। शहर के सुमतिनाथ जैन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री महेन्द्रसागरसूरीश्वरजी के सान्निध्य में संघ में हुई अपूर्व आराधना के उपलक्ष्य में एका दशान्हिका महोत्सव के अन्तर्गत रविवार को सूरिमंत्र महापूजन हुआ। दोपहर रत्नकुक्षी माता -पिता का भव्यतम स्वागत का आयोजन हुआ। आचार्यश्री ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि शरीर से लगाकर खानपान, कपडा,पढाई- व्यवसाय की चिंता करना यह तो आत्मा की अवनति का उपाय हो सकता है किन्तु इन्हें वर्जय मानकर आत्मकल्याण के पथ पर पुत्र पुत्री को भेजना यह उनकी आत्मा के उन्नयन का उपाय है। कभी लोभ-लालच या परिस्थिति के विपरीत संयोग में अनीतिमत करना यह सच्चे माता-पिता की पुत्रों को शिक्षा हो। हम धन्यभागी है कि हमारे कुल परिवार से मुक्ति पथ पर आपकी संतान निकली है, क्योंकि आत्मकल्याण का यही मार्ग है जिसे स्वयं तीर्थकर भगवान ने भी अंगीकार किया है। आत्मा की उन्नति के चार उपाय है सद्विचार, सहिष्णुता, सदाचार और उदारता है। ये चार गुण जब जीवन मे आते है तव आत्मा की उन्नति अवश्य होती है। वस्तुओं, कपड़ों व धन का त्याग करना आसान है किन्तु अपनी सहित संतति को भगवान महावीर की पीढी को चलाने के लिए अर्पण करना बहुत बड़ा त्याग है।

मानव को अपने जीवन में हमेशा चिंतन, क्षमता का उपयोग करना चाहिए : साध्वी भव्यगुणाश्री

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के सिमंधरस्वामी राजेंद्रसूरी ट्रस्ट मामुलपेट के तत्वावधान में आयोजित चातुर्मास में गुरु राजेन्द्र भवन किलारी रोड में विराजित साध्वी भव्यगुणाश्रीजी ने कहा कि आत्मचिंतन अर्थात 'मन' ऐसा रखो कि किसी को 'बुरा' न लगे, 'दिल' ऐसा रखो कि किसी को 'दुखी' न करें। मानव को अपने जीवन में हमेशा चिंतन, क्षमता का उपयोग करना चाहिए। मनुष्य को हमेशा कोई भी काम हमेशा सोच-समझ कर करना चाहिए। आत्मचिंतन के लाभ से हम हमेशा अच्छे से सोच कर निर्णय ले सकते है। हम खुश रह सकते है। आत्मचिंतन से हम अपने क्रोध को कम कर सकते है। आत्मचिंतन करना बहुत जरूरी है।

साध्वी शीतलगुणाश्री ने कहा कि यह हमारे विचारों, के साथ सकारात्मक मानसिकता रखने और स्वयं के साथ मधुर संबंध रखने के लिए आत्म-जागरूकता बहुत महत्वपूर्ण है। यह हमें मानसिक रूप से मजबूत बनाता है और सही समय पर सही कदम उठाने के लिए दृढ़ संकल्पित बनाता है।अपने भीतर छिपे सभी रहस्यों को खोजने के लिए आपको जो यात्रा करनी होगी, उससे बड़ी कोई यात्रा नहीं है। जब आप अपने भीतर गहराई से जुड़ सकते हैं, तो आप अधिक मजबूत और यथार्थवादी बन जाते हैं। नेमीचंद वेदमुथा ने बताया कि चंपालाल गादिया, प्रदीप वेदमुथा, जयंतिलाल पटियात, भरत कुमार आदि ने पूजन का लाभ लिया।

पार्श्वनाथ भगवान की पूजा सदैव कल्याणकारी : मुनिश्री राजपद्मसागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के शांतिनाथ श्वेतांबर मूर्तिपूजक जैन संघ एलएन पुरम, श्रीरामपुरम में विराजित मुनिश्री राजपद्मसागरजी व श्रमणपद्मसागरजी के सान्निध्य में महोत्सव के नौवें दिन में पुरुषादानी श्री पार्श्वनाथ प्रभु का 108 पार्श्वनाथ महापूजन हुआ। इस मौके पर मुनिश्री ने पार्श्वनाथ प्रभु की महिमा का गुणगान करते हुए कहा कि पार्श्वनाथ परमात्मा की महिमा निराली है। उनकी भक्ति करने से उनका पूजन करने से हमे शांति-समाधि एवं मन प्रसन्नता से भर जाता है, क्योंकि पार्श्वनाथ परमात्मा ने भी अपने पूर्वभव में जब देवलोक में थे, तब उन्होंने 500 कल्याणक की उजवणी की तथा परमात्मा के 500 कल्याणक मूल शरीर से मनाया था, इसलिए सबसे ज्यादा पार्श्व प्रभु का नाम है। उनकी भक्ति करने से यश-नामकिर्ति बढती है। अनेक श्रावक एवं श्राविकाओं ने इस पार्श्वनाथ महापूजन में लाभ लिया।

'प्रेम, वात्सल्य व समर्पण का त्रिवेणी संगम थे आचार्य प्रेमसूरीगुरुदेव'

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय शंखेश्वर पार्श्वनाथ जैन संघ राजाजीनगर में चातुर्मासार्थ विराजित पंन्यासश्री भक्तिरत्नविजयजी, मुनिश्री भाग्यचन्द्रविजयजी, बालमुनि श्री भक्तिदर्शनविजयजी की निश्रा में गुरुप्रेम की सातवीं पुण्यतिथि भव्य रूप मनाई गयी ।

बालमुनि ने गुरुदेव को याद करते हुए कहा कि भारत की धरती ऋषि-मुनियों की धरती है। इस धरती पर अनेक महान संतों ने जन्म लिया है। उन महान संतों में एक संत थे आचार्यश्री प्रेमसूरीजी । प्रेमसूरीजी का जन्म राजस्थान मजल दुनारा गांव में लुंकड़ गौत्र में हुआ था। प्रेमसूरीजी का सांसारिक नाम था पन्नालाल। प्रेमसूरीजी ने 11 वर्ष की अल्पायु में दीक्षा ली थी। मुनिश्री ने बताया कि प्रेमसूरीजी हंसमुख प्रवृत्ति के संत थे और उनके चेहरे पर हमेशा मुस्कान रहती थी। प्रेमसूरीजी के मन में साधर्मिक के लिए हमेशा प्रेम व वात्सल्य का भाव रहता था। वे परमात्मा के अनन्य भक्त तथा सभी सम्प्रदायों का समान आदर करने वाले संत थे। उनका जीवन प्रेम वात्सल्य व समर्पण का त्रिवेणी संगम था। मुनिश्री भक्तिदर्शनजी ने कहा कि प्रेमसूरीजी का संयम जीवन 88 वर्ष का था और वे अपने प्रति बेहद समर्पित थे। उनका मानना था कि गुरु के बिना जीवन का कल्याण नहीं हो सकता।

वह कहते थे कि गुरु वो होते हैं जो आत्मा से परमात्मा की ओर ले जाते हैं। अंधकार में दीपक का प्रकाश होते हैं गुरु प्रेमसूरीश्वरजी गुरु के को वर्ष 1953 को गणिपद, वर्ष 1959 को आचार्यपद तथा गच्छाधिपति पद प्राप्त हुआ। वे वर्ष 2006 के तपागच्छाधिपति पद पर विराजमान हुए। उनका जीवन धर्म को समर्पित था। आचार्यश्री की पुण्यतिथि पर हमें उनके बताए मार्ग का अनुसरण कर अपने जीवन को सफल बनाना चाहिए तभी उनकी पुण्यतिथि मनाना सार्थक होगा।

निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर में 37 लोग हुए लाभान्वित

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। तेरापंथ युवक परिषद हनुमंतनगर के सदस्यों ने एटीडीसी के अन्तर्गत एक दिवसीय स्वास्थ्य व मधुमेह जांच शिविर का आयोजन किया जिसमें 37 लोग लाभान्वित हुए। तेयुप हनुमंतनगर के अध्यक्ष ने सभी का स्वागत किया। शिविर में वरिष्ठ जनों को मधुमेह के प्रति जागरुक कर डॉ मेघा द्वारा उन्हें परामर्श दिया गया। इस अवसर पर सहमंत्री सुमित चिंडालिया, एटीडीसी प्रभारी गौतम खाब्या, सहप्रभारी नवरत्न बोल्या आदि उपस्थित थे।

सुसवाणी धाम में नवरात्रि महोत्सव की तैयारियों की हुई समीक्षा बैठक

22 को विराट भक्ति संध्या का होगा आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के होसूर रोड़ स्थित सुसवाणी माता धाम में सुराणा संघ एवं भंवरीबाई घेवरचंद सुराणा चेरिटेबल ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में नवरात्रि महोत्सव मनाया जा रहा है। संघ के महामंत्री भीमराज सुराणा ने जानकारी देते हुए बताया कि महोत्सव की तैयारियों का जायजा लेने के लिए गोडवाड़ भवन के सुराणा हाल में संघ की कार्यकारिणी समिति की बैठक संपन्न हुई। संघ के अध्यक्ष महीपाल सुराणा ने सभी का स्वागत करते हुए महोत्सव की विस्तृत जानकारी दी।

15 अक्टूबर प्रतिपदा के दिन प्रातः घट स्थापना होगी। अष्टमी 22 को धाम में विराट भक्ति संध्या का आयोजन किया गया है जिसमें जोधपुर की गायिका खुशबू कुंभट भजनों की प्रस्तुति देंगी। उसी दिन प्रातः 7 बजे नारायण हृदयालय से माताजी धाम तक पैदल यात्रा का भी आयोजन किया गया है। भक्ति संध्या के दिन मध्याह्न में शहर के उपनगरों से बसों की व्यवस्था रखी गई है।

बैठक में पूर्व अध्यक्ष राजेंद्रकुमार सुमेरपुर, मार्गदर्शक धर्मचंद उदयपुर, उपाध्यक्ष बी. सोहनलाल पीपाड़ व उत्तमचंद सोजत, सहमंत्री जतनराज बारनी, सहकोषाध्यक्ष प्रकाशचंद सुमेरपुर, प्रचारमंत्री देवराज आऊवा, संगठनमंत्री सुमतमल नागौर, सह संगठन मंत्री नरेंद्र सोजत सहित अन्य कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित थे।

कामधेनु गौशाला की ओर से विभिन्न तपस्वियों का किया गया सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय कामधेनु गौशाला ट्रस्ट परिवार द्वारा रविवार को गोड़वाड़ भवन में साध्वीश्री प्रतिभाश्रीजी के सान्निध्य में वर्षीतप, सिद्धितप, अट्ठाई आदि तपस्या के तपस्वियों का विशेष सम्मान किया गया।

ट्रस्ट की चेयरपर्सन शारदा चौधरी ने सभी तपस्वियों का का स्वागत किया तथा गौशाला की गतिविधियों की जानकारी दी। ट्रस्ट की अध्यक्ष पुष्पा बोहरा ने गौशाला में पशु अस्पताल सहित अनेक गौसेवा की योजनाओं की जानकारी दी। राधा गुलेच्छा ने मंच संचालन किया।

गौशाला की चेयरपर्सन शारदा चौधरी, अध्यक्ष पुष्पा बोहरा, महामंत्री नंदा मेहता, कार्यकारिणी सदस्य प्रभा सालेचा, ममता कोठारी, चंद्रिका भंडारी, अरुणा जैन, राजवंती संचेती सहित सभी तपस्वियों का सम्मान किया। इस मौके पर कामधेनु गौशाला के उपाध्यक्ष नेमीचंद सालेचा, कोषाध्यक्ष जवाहर चौधरी, कमेटी मेम्बर माणकचंद बडेरा, विजयराज बोहरा, गौतम जीरावला, पारस सालेचा आदि भी उपस्थित थे।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

नंदावत बने समता युवा संघ मैसूरु के अध्यक्ष, भंसाली बने मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। शहर के समता भवन में समता युवा संघ के नए अध्यक्ष के रूप में दिलीप नंदावत व मंत्री के रूप में रितेश भंसाली का मनोनयन किया गया।

समता आराधना पश्चात पूर्व अध्यक्ष अनिल पोरवाड़ को उनके सफल कार्यकाल के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर साधुमार्गी जैन संघ के अध्यक्ष सुरेशकुमार दक, सुशीलकुमार नंदावत, खुशवंत पोरवाड़, श्यामलाल गन्ना ने अपने भावों की अभिव्यक्ति दी।

बसवनगुड़ी में विमलनाथ परमात्मा के अट्ठारह अभिषेक सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी के तत्वावधान में साध्वीश्री सुलोचनाश्रीजी की निश्रा में पंडित रोहित गुरुजी द्वारा विमलनाथ परमात्मा, गुरुदेव और देवी देवताओं के अट्ठारह अभिषेक का आयोजन हुआ। दादावाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष निर्भयलाल गुलेच्छा और महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा ने सभी का स्वागत किया। ट्रस्ट के प्रवक्ता अरविन्द कोठारी ने बताया कि गुरु पुष्य नक्षत्र में परमात्मा और समस्त प्रतिमाओं का अभिषेक किया गया। उपाध्यक्ष तेजराज मालानी ने बताया कि परमात्मा को चन्द्रदर्शन अरुणादेवी शांतिलाल कोठारी ने, सूर्य दर्शन प्रमोद सिल्क परिवार ने करवाया। परमात्मा को अर्घ्य अर्पण कुसुमदेवी तेजराज मालानी परिवार ने और शांति कलश महावीरप्रसाद नरेशकुमार चौरड़िया परिवार ने अर्पण किया। अभिषेक के पश्चात परमात्मा की आरती तिलोकचन्द नितेशकुमार मुन्नीबोहरा परिवार, मंगल दीपक भंवरीदेवी पारसमल भन्साली परिवार, दादा गुरुदेव की आरती और मंगलदीपक रुक्मिणीदेवी बाबूलाल श्रीश्रीमाल परिवार ने की।

संघ के ललित डाकलिया ने बताया कि अठारह अभिषेक कार्यक्रम की व्यवस्था जिनदत्तकुशलसूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल ने संभाली। परमात्मा, गुरुदेव और देवी देवताओं के अभिषेक करने के साथ संघ के अनेक सदस्यों ने अपने घर मन्दिरों की मूर्तियां को लाकर अभिषेक किया। अभिषेक में अरविन्द कोठारी, अनिल भडकतिया, नितेश बोहरा, पृथ्वीराज श्रीश्रीमाल, राहुल लोढ़ा, कुनाल मरलेचा, विनय खटोड़, नरेश चौरड़िया, जितेन्द्र नाहर, दीपक छाजेड़ आदि सदस्यों का सहयोग प्राप्त हुआ।

'मातृछाया' द्वारा निशुल्क कैंसर परीक्षण शिविर 11 को

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय 'मातृछाया' जैन महिला संगठन अपने रजत जयंती के उपलक्ष्य में जरुरतमंद परिवार की महिलाओं के लिए नि:शुल्क कैंसर परीक्षण शिविर का आयोजन 11 अक्टूबर को संभवनाथ जैन भवन में कर रहा है। मुंबई से कैंसर परीक्षण विशेषज्ञ डाक्टरों की टीम द्वारा अत्याधुनिक मशीनों से एडवांस नैनो टेक्नोलॉजी द्वारा फेदर टच विधि से दर्द रहित परीक्षण होगा। संगठन की मार्गदर्शिका त्रिशला कोठारी एवं अध्यक्ष ललिता नागोरी ने बताया कि कैंसर की रोकथाम के लिए जागरुकता निर्माण हेतु संगठन द्वारा 18 वर्ष से 80 वर्ष की उम्र की महिलाओं के लिए ब्रेस्ट कैंसर ड्राइव शिविर का निशुल्क आयोजन है।

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com